



श्रमसाधना



हम बनेंगे आपकी आवाज
स्कैन करें और चैनल से जुड़े

shramsadhnagwl@gmail.com

श्रम की शक्ति, राष्ट्र की प्रगति

www.shramsadhnagnews.com

दैनिक सांध्यकालीन

RNI रजि. क्र. 50069/89

वर्ष: 38, अंक: 61 ग्वालियर, गुरुवार 01 अक्टूबर 2026

विक्रम संवत् 2083 पृष्ठ 12, मूल्य 1 रुपया

डाक पंजीयन

L-2-13/समा.पत्र/पं. 40020181/22-23

सरकार ने तारीख घोषित नहीं की, नवरात्रि के दौरान खाते में राशि आने की संभावना

लाइली बहना की 41वीं किस्त अक्टूबर में, 1.25 करोड़ से ज्यादा महिलाओं को मिलेंगे 1500 रुपए

भोपाल जीएनएस

मुख्यमंत्री लाइली बहना योजना की 41वीं किस्त का इंतजार कर रही प्रदेश की 1 करोड़ 25 लाख से अधिक महिलाओं के लिए अक्टूबर में राशि मिलने की संभावना है। सितंबर में 40वीं किस्त जारी होने के बाद अब पात्र महिलाओं के बैंक खातों में 1500-1500 रुपए की 41वीं किस्त अंतरित की जाएगी। हालांकि, सरकार ने अभी किस्त जारी करने की आधिकारिक तारीख घोषित नहीं की है। बताया जा रहा है कि नवरात्रि के दौरान राशि जारी की जा सकती है। योजना के तहत पात्र

महिलाओं को हर महीने आर्थिक सहायता दी जाती है। सामान्य तौर पर किस्त महीने की 10 से 15 तारीख के बीच सीधे बैंक खातों में भेजी जाती है। इसी आधार पर अक्टूबर की किस्त भी इस अवधि के आसपास जारी होने की संभावना है। हालांकि, अंतिम तारीख सरकार की ओर से आधिकारिक घोषणा के बाद ही स्पष्ट होगी।

13 सितंबर को जारी हुई थी 40वीं किस्त : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 13 सितंबर को आगर मालवा से लाइली बहना योजना की 40वीं किस्त जारी की थी। इस दौरान 1 करोड़ 25 लाख



10 हजार 150 पात्र महिलाओं के बैंक खातों में राशि अंतरित की गई थी। 40वीं किस्त के लिए सरकार ने कुल 1,835 करोड़ 9 लाख 22 हजार 450 रुपए जारी किए थे।

लाइली बहना योजना की शुरुआत में पात्र महिलाओं को हर महीने 1,000 रुपए की आर्थिक सहायता दी जाती थी। अक्टूबर 2023 में मासिक राशि बढ़ाकर 1,250 रुपए कर दी गई। इसके बाद नवंबर 2025 से 250 रुपए की और बढ़ोतरी की गई और सहायता राशि 1,500 रुपए प्रतिमाह हो गई। इसके अलावा रक्षाबंधन के अवसर पर अगस्त 2023, 2024, 2025 और 2026 में पात्र महिलाओं को 250 रुपए की अतिरिक्त सहायता भी दी गई।

2026-27 में 23,882 करोड़ का बजट : राज्य सरकार

ने वित्तीय वर्ष 2026-27 में मुख्यमंत्री लाइली बहना योजना के लिए 23,882.81 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान किया है। सितंबर 2026 तक योजना के तहत करीब 11,300 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है। योजना के माध्यम से प्रदेश की बड़ी संख्या में महिलाओं को हर महीने सीधे बैंक खातों में आर्थिक सहायता दी जा रही है।

बैंक खाता आधार से जुड़ा होना जरूरी : लाइली बहना योजना की किस्त का लाभ लेने के लिए लाभार्थी का बैंक खाता आधार से जुड़ा होना और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण सक्रिय होना जरूरी

है। राशि जारी होने के बाद महिलाएं योजना के आधिकारिक पोर्टल पर जाकर भुगतान की स्थिति भी जांच सकती हैं।

इसके लिए पोर्टल पर 'आवेदन एवं भुगतान की स्थिति' विकल्प चुनना होगा। इसके बाद आवेदन क्रमांक या सदस्य समग्र क्रमांक दर्ज करना होगा। कैप्चा भरने और मोबाइल पर प्राप्त एक बार इस्तेमाल होने वाले संकेतांक से सत्यापन के बाद भुगतान की स्थिति स्क्रीन पर दिखाई देगी। यदि खाते में राशि नहीं पहुंचती है तो लाभार्थी बैंक खाते की स्थिति और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण सक्रिय है या नहीं, इसकी भी जांच कर सकती हैं।

एशियन गेम्स क्रिकेट फाइनल में भारत-पाकिस्तान आमने-सामने

निशिन जीएनएस

भारत ने श्रीलंका को 124 रन से हराकर एशियन गेम्स क्रिकेट के फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब शनिवार को स्वर्ण पदक के लिए भारत का मुकाबला पाकिस्तान से होगा। एशियन गेम्स के क्रिकेट मुकाबले में पहली बार दोनों टीमों आमने-सामने होंगी।

निशिन में खेले गए सेमीफाइनल में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 169 रन बनाए। ईशान किशन ने नाबाद 80 रन की शानदार पारी खेली, जबकि वैभव सूर्यवंशी ने 21 गेंदों पर 38 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी और 9.5 ओवर में महज 45 रन पर

ऑलआउट हो गई। श्रीलंका के छह बल्लेबाज खाता भी नहीं खोल सके। जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल और अभिषेक शर्मा ने दो-दो विकेट लिए, जबकि तीन बल्लेबाज रनआउट हुए। यह टी-20 क्रिकेट में श्रीलंका के खिलाफ भारत की सबसे बड़ी जीत भी रही। इससे पहले भारत की सबसे बड़ी जीत 93 रन की थी, जो 2017 में कटक में दर्ज की गई थी। दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान ने बारिश से प्रभावित मुकाबले में बांग्लादेश को छह विकेट से हराया। मैच 13-13 ओवर का कर दिया गया था। बांग्लादेश ने सात विकेट पर 111 रन बनाए, जिसे पाकिस्तान ने 11.3 ओवर में चार विकेट खोकर हरा लिया। अब फाइनल में दोनों टीमों स्वर्ण पदक के लिए भिड़ेंगी।

अतिक्रमण हटाया, दो शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के प्रति किया जागरूक मुरार में यातायात अभियान, 326 वाहनों पर कार्रवाई

ग्वालियर जीएनएस

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह के निर्देश और पुलिस मुख्यालय के विशेष हेलमेट एवं सीटबेल्ट जागरूकता एवं प्रवर्तन अभियान के तहत यातायात पुलिस ने मुरार क्षेत्र में कार्रवाई की। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात सुजावल जग्गा के नेतृत्व में प्रमुख मार्गों पर यातायात व्यवस्था सुधारने के साथ नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर चालानी कार्रवाई की गई।

अभियान के दौरान मुरार क्षेत्र के प्रमुख मार्गों और स्थानों पर यातायात में बाधा बन रहे अतिक्रमण हटवाए गए। साथ ही यातायात को बाधित करने वाले



तत्वों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की गई। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर प्रवर्तन कार्रवाई करते हुए करीब 326

वाहनों के चालान बनाए गए और 1 लाख 37 हजार 500 रुपए का शमन शुल्क वसूला गया। यातायात जागरूकता के तहत

आदर्श विज्ञान महाविद्यालय, नाका चंद्रवदनी और पॉलीटेक्निक कॉलेज, ग्वालियर में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। विद्यार्थियों को हेलमेट और सीटबेल्ट के अनिवार्य उपयोग, यातायात नियमों के पालन, सुरक्षित वाहन संचालन और तेज गति से वाहन चलाने से होने वाले जोखिमों की जानकारी दी गई।

पुलिस ने विद्यार्थियों से सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने और अन्य लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करने की अपील की। ग्वालियर पुलिस के अनुसार यातायात व्यवस्था सुधारने और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए अभियान आगे भी जारी रहेगा।

14 नए स्वास्थ्य केंद्र स्वीकृत, 3100 से अधिक डॉक्टरों की पदस्थापना; मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाओं पर जोर

नक्सल मुक्ति के बाद बालाघाट में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार

भोपाल जीएनएस

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि लंबे समय तक नक्सल प्रभावित रहे बालाघाट में अब सुरक्षा के साथ स्वास्थ्य और नागरिक सुविधाओं के विस्तार पर सरकार का जोर है। नक्सल समस्या पर प्रभावी नियंत्रण के बाद दूरस्थ क्षेत्रों के परिवारों, महिलाओं और बच्चों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास तथा पोषण सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है। शुक्ल ने बताया कि

बालाघाट के दूरस्थ और अधिक प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए 14 नए स्वास्थ्य केंद्र स्वीकृत किए गए हैं। इनमें 10 उप-स्वास्थ्य केंद्र, दो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और दो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शामिल हैं। बेहर और बिरसा के सोनगुड़ा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को 30 बिस्तरों वाले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के रूप में विकसित किया गया है। मोबाइल चिकित्सा इकाइयों के माध्यम से भी दूरस्थ आबादी तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जा रही हैं।



उन्होंने बताया कि प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर चिकित्सकों की उपलब्धता बढ़ाने के लिए 3100 से अधिक बॉन्डेड डॉक्टरों की

पदस्थापना की गई है। इनमें 2600 से अधिक डॉक्टर कार्यभार ग्रहण कर चुके हैं। आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में निःशुल्क जांच और दवाइयों की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

संस्थागत प्रसव 92 प्रतिशत पहुंचा : उप मुख्यमंत्री के अनुसार वर्ष 2003 से पहले बालाघाट में संस्थागत प्रसव का आंकड़ा 21 प्रतिशत था, जो अब बढ़कर 92 प्रतिशत हो गया है। प्रसवपूर्व जांच भी 52 प्रतिशत से बढ़कर 89.8 प्रतिशत हुई है। टीकाकरण, आयरन और

आवश्यक दवाइयों के वितरण के साथ मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं का कवरेज बढ़ाया गया है।

आंगनवाड़ी सेवाओं का भी विस्तार : शुक्ल ने बताया कि महिला एवं बाल विकास सेवाओं को मजबूत करने के लिए चार नए बाल विकास परियोजना अधिकारियों की पदस्थापना तथा 51 से अधिक अतिरिक्त आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं की व्यवस्था की गई है। इनके माध्यम से बच्चों को आंगनवाड़ी केंद्रों से जोड़ने, पोषण

सेवाएं उपलब्ध कराने और कुपोषण पर काम किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की ओर से इन क्षेत्रों की लगातार निगरानी की जा रही है। भोपाल स्तर से जिला प्रशासन, स्वास्थ्य अधिकारियों और आशा कार्यकर्ताओं के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से व्यवस्थाओं की समीक्षा की जा रही है। शुक्ल ने कहा कि सरकार का लक्ष्य सुरक्षा के साथ स्वास्थ्य, पोषण और अन्य नागरिक सुविधाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने 'सेवा सेतु अभियान-सरकार आपके द्वार' की तैयारियों की समीक्षा की

भोपाल, जीएनएस।
उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय में प्रदेशव्यापी 'सेवा सेतु' अभियान-सरकार आपके द्वार की तैयारियों एवं गतिविधियों की समीक्षा की। यह अभियान प्रदेश में 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर 2026 तक संचालित 'सेवा संकल्प अभियान' का महत्वपूर्ण घटक है। अभियान के तहत 3 अक्टूबर को विकासखंड स्तर पर ग्रामीण क्षेत्रों में तथा 4 अक्टूबर को नगरीय क्षेत्रों में प्रातः 11 बजे से सायं 4 बजे तक सेवा शिविर आयोजित किए जाएंगे।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि अभियान का उद्देश्य

शासकीय सेवाओं को नागरिकों के और अधिक निकट पहुंचाना है, ताकि आमजन को विभिन्न योजनाओं और सेवाओं का लाभ लेने के लिए बार-बार शासकीय कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। शिविरों में पात्र हितग्राहियों की पहचान कर उन्हें योजनाओं का लाभ एवं आवश्यक सेवाएं मौके पर ही उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाएगी।

शिविरों में राजस्व विभाग की सेवाओं के साथ विभिन्न विभागों की हितग्राहीमूलक योजनाओं का लाभ प्रदान किया जाएगा। इनमें स्वामित्व योजना, फार्मर आईडी, अविवादित नामांतरण, बंटवारा एवं सीमांकन,



आय एवं स्थानीय निवासी प्रमाण-पत्र, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, आयुष्मान भारत, पीएम स्वनिधि, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा, संबल, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, छत्रवृत्ति, महिला एवं बाल विकास की योजनाएं तथा

स्वरोजगार एवं कौशल विकास से संबंधित योजनाएं शामिल हैं।

स्वास्थ्य शिविर और योजनाओं की जानकारी पर केंद्रित प्रदर्शनी

प्रत्येक सेवा सेतु शिविर में अनिवार्य रूप से स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जाएगा। साथ ही केंद्र एवं राज्य सरकार की महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रदर्शनी लगाई

जाएगी, जिससे नागरिकों को योजनाओं की जानकारी और पात्रता संबंधी जानकारी एक ही स्थान पर प्राप्त हो सके।

शिविरों में आने वाले हितग्राहियों के पंजीयन के लिए पृथक स्टॉल की व्यवस्था की जाएगी। संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों की शिविर स्थल पर उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी। पूर्व से योजनाओं का लाभ प्राप्त कर रहे हितग्राहियों के साथ शेष पात्र हितग्राहियों को भी चिन्हित कर शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप लाभ प्रदान किया जाएगा। अभियान के दौरान प्राप्त शिकायतों एवं लंबित प्रकरणों के निराकरण पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में

विकासखंड स्तर पर तथा नगरीय क्षेत्रों में नगर निगम के जोन एवं नगर पालिका/नगर परिषद स्तर पर शिविर आयोजित किए जाएंगे। शिविरों के लिए सार्वजनिक एवं सुगम स्थानों का चयन किया जाएगा, जहां नागरिकों के लिए पर्याप्त स्थान, पेयजल, छाया एवं आवागमन की सुविधा उपलब्ध हो। बैठक में श्री महेंद्र सिंह यादव, अध्यक्ष, अपेक्स बैंक, डॉ. के.पी. यादव, अध्यक्ष, नगर आपूर्ति निगम, श्री आलोक संजय, पूर्व सांसद भोपाल, श्री संजय कुमार तीर्थवानी, उपाध्यक्ष, विंध्य विकास प्राधिकरण सहित अपर मुख्य सचिव श्रीमती दीपाली रस्तोगी, श्री ई. रमेश कुमार तथा संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

स्व. माधवराव सिंधिया की 25वीं पुण्यतिथि पर स्मृति पार्क में आयोजित हुई श्रद्धांजलि सभा

गुना, जीएनएस।
पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं जनप्रिय नेता स्वर्गीय श्रीमंत माधवराव सिंधिया जी की 25वीं पुण्यतिथि के अवसर पर स्वर्गीय माधवराव सिंधिया स्मृति पार्क में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

श्रद्धांजलि सभा में वक्ताओं ने स्वर्गीय माधवराव सिंधिया जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने अपने संपूर्ण जीवन में जनसेवा, विकास और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखा। उन्होंने देश के विकास के साथ-

साथ क्षेत्र की प्रगति और जनकल्याण के लिए अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए।

वक्ताओं ने कहा कि स्वर्गीय माधवराव सिंधिया जी की कार्यशैली, जनसेवा के प्रति समर्पण और आमजन के प्रति आत्मीयता सदैव प्रेरणास्रोत बनी रहेगी। उनके द्वारा किए गए कार्य और जनमानस के हृदय में उनके प्रति सम्मान उनकी अमिट विरासत के रूप में सदैव स्मरण किए जाते रहेंगे। श्रद्धांजलि सभा के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने स्वर्गीय माधवराव सिंधिया जी के आदर्शों पर चलने और जनसेवा के संकल्प को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह सिकरवार, पूर्व मंत्री महेंद्र सिंह सिसोदिया, नपा अध्यक्ष श्रीमती सविता

अरविंद गुप्ता, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य हरि सिंह यादव, राधेश्याम पारिख, सांसद प्रतिनिधि सुमेर सिंह गढ़ा, पूर्व विधायक राजेंद्र सलूजा, योगेन्द्र लुंबा, अशोक शर्मा, हीरेन्द्र सिंह पीलाघाटा, नपा उपाध्यक्ष धरम सोनी, जिला महामंत्री रविन्द्र रघुवंशी, चन्द्रप्रकाश अहीरवार, किसान मोर्चा अध्यक्ष मुरारी लाल धाकड़, महिला मोर्चा अध्यक्ष रजनी ओझा, अनुसूचित जाति मोर्चा नरेंद्र बड़कुल, युवा मोर्चा अध्यक्ष वीरेंद्र धाकड़, सुनील अग्रवाल, अनिल जैन, अंकुर श्रीवास्तव, रमेश मालवीय, महेंद्र किरार, शिवपाल परमार, आर एन यादव, सूर्यकांत जगताप, विकास जैन, परेश भार्गव, रामकुमार शर्मा, कीर्ति प्रदीप सरवैया, कैलाश धाकड़, राजेश अग्रवाल आदि।

सोशल मीडिया पर नाबालिगों के अकाउंट को लेकर सुप्रीम कोर्ट के निर्देश का सेंटरफॉर इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट ने किया स्वागत

ग्वालियर जिले में बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए जमीनी अभियान चला रहे सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट ने सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले का स्वागत किया है, जिसमें उसने केंद्र से इस संभावना पर विचार करने को कहा है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के लिए ऐसे वैधानिक नियम बनाए जाएं, जिनके तहत उनके लिए नाबालिगों से संबंधित भारतीय कानूनों का पालन करना अनिवार्य हो।

नागरिक समाज संगठनों के देश के सबसे बड़े नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन अलायंस ने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर मांग की थी कि डिजिटल प्लेटफॉर्मों को इस बात का ध्यान रखने के निर्देश दिए जाएं कि नाबालिगों में अनुबंध करने की



कानूनी अधिकार नहीं होता, इसलिए ऑनलाइन सेवाओं तक उनकी पहुंच के लिए जरूरी सुरक्षा उपाय लागू किए जाएं। संगठन ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का यह कदम जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (JCHR) के बाल अधिकारों की सुरक्षा के अथक प्रयासों पर मुहर है। सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट ने जो कि जेआरसी का एक सहयोगी संगठन है। भारत में जेआरसी अपने सहयोगी संगठनों के साथ देश के सभी 782 जिलों में बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए अभियान चला रहा है। सेंटर फॉर

इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट ने के निदेशक उमेश वशिष्ठ ने बताया कि इन मुद्दों पर ग्वालियर में श्री राजेंद्र सोनी समन्वय के साथ-साथ सेक्टर कोऑर्डिनेटर अरविंद कुशवाहा, राकेश नायक, उपेंद्र मिश्रा ने अभी तक हजारों बच्चों को बाल श्रम से मुक्त कराकर शिक्षा से जोड़ने का काम किया है। हमारे बच्चों की सुरक्षा के लिए यह जरूरी है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों को भारत के कानूनों का उल्लंघन करने से रोका जाए। आज ऑनलाइन दुनिया में बच्चों के सामने कई तरह के खतरे मौजूद हैं। क्योंकि नाबालिग बच्चों को बहला-फुसलाकर यौन शोषण, ट्रैफिकिंग और सेक्सटॉर्शन जैसे कामों में आसानी से धकेला जा सकता है। इसके अलावा नाबालिगों के निजी डेटा का दुरुपयोग और साइबर

भारतीय किसान यूनियन धरतीपुत्र अराजनैतिक राष्ट्रीय संगठन नियुक्ति प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री सौरभ कुमार पुत्र श्री ओमकार सिंह, निवासी जहानगर, तहसील मितौली, ब्लॉक पसगवां, जनपद लखीमपुर खीरी (उत्तर प्रदेश) को भारतीय किसान यूनियन धरतीपुत्र अराजनैतिक राष्ट्रीय संगठन, लखीमपुर खीरी की ओर से युवा जिला कोषाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया जाता है। हमें आशा एवं विश्वास है कि

श्री सौरभ कुमार संगठन के विस्तार एवं दायित्व का निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ करेंगे। वे जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करते हुए किसानों एवं मजदूरों की समस्याओं की आवाज को लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण आंदोलनों के माध्यम से शासन-प्रशासन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे।



मानव अधिकारों पर शोध और जागरूकता शिविर को लेकर चर्चा

आयोग अध्यक्ष से कुलगुरु प्रो राजपूत की मुलाकात, जनजातीय कल्याण पर विवि करेगा कार्य ग्वालियर। विधिक जागरूकता और जनजातीय कल्याण को लेकर जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत ने मध्य प्रदेश मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष श्री अवधेश प्रताप सिंह से मुलाकात की। इस दौरान मानव अधिकारों से जुड़े विषयों पर शोध तथा जनजातीय क्षेत्रों में जागरूकता गतिविधियों को लेकर चर्चा

हुई। बैठक में शोध एवं विधिक जागरूकता शिविरों के माध्यम से संयुक्त रूप से काम करने पर सहमति बनी। जनजातीय समुदायों तक विधिक जानकारी पहुंचाने के साथ विद्यार्थियों और शोधार्थियों को इन गतिविधियों से जोड़ने पर भी विचार किया गया। दोनों पक्षों ने विश्वविद्यालय और आयोग के समन्वय से आगे नई पहल शुरू करने पर सहमति जताई। इसके तहत शोध, जागरूकता शिविर और जनहित से जुड़े कार्यक्रमों को प्राथमिकता दी जाएगी।

प्रशासनिक व्यवस्था को जनोन्मुखी बनाने के संबंध में सुझाव आमंत्रित

मध्यप्रदेश प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग की बैठक आयोजित

ग्वालियर, जीएनएस।
राज्य शासन द्वारा राज्य की प्रशासनिक इकाईयां यथा संवाद, जिला, उपखंड, तहसील एवं जनपद / विकासखंड के परिसीमन एवं युक्तियुक्तिकरण के लिये मध्यप्रदेश प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग का गठन किया गया है। आयोग के चेयरमेन सेवानिवृत्त अपर मुख्य सचिव श्री एस एन मिश्रा की अध्यक्षता में आयोग की बैठक बाल भवन के सभागार में आयोजित की गई। बैठक में प्रशासनिक व्यवस्थाओं को जनोन्मुखी बनाने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण सुझाव भी आमंत्रित किए गए। बैठक में आयोग के सचिव सेवानिवृत्त आईएस अधिकारी श्री अक्षय कुमार सिंह, कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी सहित जिले के प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।



जन अपेक्षाओं के आधार पर और अधिक जनोन्मुखी एवं सुलभ प्रशासन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वर्तमान संभाग, जिला, तहसील एवं जनपद / विकासखंड की प्रशासनिक इकाईयों के पुनर्गठन के संबंध में अनुशंसायें प्राप्त करना है। इसे साथ ही भविष्य में नवीन प्रशासनिक इकाईयों के गठन हेतु मार्गदर्शन सिद्धांत भी अनुशंसा के आधार पर निर्धारित किए जाना है।

आयोग के चेयरमेन श्री एस एन मिश्रा ने कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान से कहा है कि जिला स्तर से प्रशासनिक इकाईयों में सुधार के संबंध में अपने जिले के सुझाव विभिन्न विभागीय अधिकारियों से प्राप्त कर आयोग को प्रेषित करें। जिला स्तरों से प्राप्त होने वाले सुझावों के आधार पर ही आयोग अपनी अनुशंसा राज्य सरकार को प्रेषित करेगा।

मध्यप्रदेश प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग के सचिव श्री अक्षय कुमार सिंह ने आयोग के संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि आयोग द्वारा प्रदेश के सभी जिलों में जाकर प्रशासनिक अधिकारियों से चर्चा की जा रही है। सभी जिलों से प्रशासनिक अधोसंरचना को और बेहतर बनाने और प्रशासनिक व्यवस्था को जनोन्मुखी बनाने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण सुझाव लिए जा रहे हैं। ग्वालियर-चंबल संभाग से भी महत्वपूर्ण सुझाव आयोग को मिलें ताकि आयोग अपनी अनुशंसा के साथ शासन को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर सके।

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने बैठक में कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि जिले एवं तहसील की सीमाओं के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्र में

प्रशासनिक तंत्र को और बेहतर बनाने के लिये कार्य किया जाना आवश्यक है। सोशल मीडिया के इस युग में कार्य को और बेहतर बनाने की दृष्टि से भी प्रशासनिक व्यवस्था में बदलाव की आवश्यकता है। जिला स्तर से आयोग की मंशा अनुरूप विभागीय अधिकारियों से सुझाव एकत्र कर जिला स्तर से विस्तृत प्रतिवेदन आयोग को प्रस्तुत किया जायेगा।

नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी ने भी नगरीय निकाय में व्यवस्थाओं को और बेहतर करने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण सुझाव रखे। उन्होंने वार्डों की जनसंख्या एवं क्षेत्रफल एक समान करने, योजनाओं के क्रियान्वयन में आर्थिक पहलुओं पर भी शासन स्तर से बेहतर व्यवस्थाएँ उपलब्ध कराने के साथ-साथ कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। बैठक में जिले के राजस्व अधिकारियों ने भी अपने महत्वपूर्ण सुझाव रखे। बैठक के प्रारंभ में आयोग के चेयरमेन श्री एस एन मिश्रा एवं सचिव श्री अक्षय कुमार सिंह ने आयोग के उद्देश्य के संबंध में विस्तार से प्रजेंटेशन के माध्यम से अधिकारियों को जानकारी दी।

‘यशोदा एआई 2.0’ के माध्यम से महिलाओं को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने पर जोर

महिलाओं को कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करने कार्यशाला आयोजित

ग्वालियर, जीएनएस। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती विजया के. रहाटकर के मार्गदर्शन तथा मध्य प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती रेखा यादव के सहयोग से संचालित ‘यशोदा एआई 2.0’ अभियान के अंतर्गत लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान, ग्वालियर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं साइबर सुरक्षा विषय पर विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती विजया के. रहाटकर, मध्य प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती रेखा यादव, सदस्य श्रीमती साधना स्थापक, सचिव श्री सुरेश तोमर, महिला एवं बाल विकास विभाग ग्वालियर संभाग की संयुक्त संचालक श्रीमती सीमा शर्मा, जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती उपासना राय तथा साइबर विशेषज्ञ

श्री जतिन माटा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती विजया के. रहाटकर ने कहा कि ‘यशोदा एआई’ केवल कृत्रिम बुद्धिमत्ता सिखाने का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि महिलाओं को भविष्य की तकनीक से जोड़ने, उन्हें डिजिटल रूप से सुरक्षित बनाने और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने का राष्ट्रीय प्रयास है। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता बच्चों की पढ़ाई की सामग्री को सरल भाषा में समझाने, दैनिक कार्यों की योजना बनाने, विभिन्न विषयों की जानकारी व्यवस्थित करने तथा छोटे व्यवसाय के लिए उत्पाद विवरण, पोस्टर और सामाजिक माध्यमों की सामग्री तैयार करने में सहायक हो सकती है। उन्होंने महिलाओं से कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग समझदारी और सावधानी के साथ करने तथा व्यक्तिगत जानकारी एवं



निजता की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि तकनीक और महिला सशक्तीकरण को साथ लेकर आगे बढ़ने की आवश्यकता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के साथ मानवीय बुद्धिमत्ता, मानवीय मूल्य और मानवीय गरिमा भी समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। ‘यशोदा एआई’ का उद्देश्य महिलाओं को तकनीक के माध्यम से सशक्त बनाकर उन्हें देश की प्रगति में अधिक प्रभावी भागीदारी के लिए तैयार करना है।

राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती रेखा यादव ने प्रतिभागियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता के

उपयोग के साथ साइबर सुरक्षा के प्रति सजग रहने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि किसी भी अनजान लिंक को नहीं खोलना चाहिए तथा मोबाइल पर संदिग्ध या आपत्तिजनक सामग्री प्राप्त होने पर उसे परिवार के सदस्यों के साथ साझा कर आवश्यक सावधानी बरतनी चाहिए। उन्होंने बताया कि ‘यशोदा एआई’ पहल के माध्यम से महिलाओं को आधुनिक तकनीक का उपयोग कर शिक्षा, रोजगार, स्वरोजगार एवं उद्यमिता के क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों की जानकारी देने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही महिलाओं को

कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित उपकरणों के व्यावहारिक उपयोग तथा डिजिटल माध्यमों के प्रति आत्मविश्वास विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमती साधना स्थापक ने कहा कि हम उन्नत डिजिटल युग की ओर बढ़ रहे हैं, इसलिए तकनीक का उपयोग सावधानी एवं जागरूकता के साथ किया जाना आवश्यक है। उन्होंने साइबर अपराधों से बचाव के लिए साइबर हेल्पलाइन 1930 के अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार पर जोर दिया।

राज्य महिला आयोग के सचिव श्री सुरेश तोमर ने डिजिटल माध्यमों के सुरक्षित उपयोग पर जानकारी देते हुए कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग दैनिक जीवन को सरल बनाने के साथ-साथ मानसिक तनाव कम करने में भी सहायक हो सकता है। उन्होंने प्रतिभागियों से एक-दूसरे को

डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक करने, एकमुश्त पासवर्ड संबंधी धोखाधड़ी से बचने, ब्लैकमेलिंग की घटनाओं के प्रति सतर्क रहने तथा डिजिटल माध्यमों से संबंधित नियमों एवं प्रावधानों की जानकारी रखने का आग्रह किया। राष्ट्रीय महिला आयोग के उप निदेशक श्री रामावतार सिंह ने महिला हेल्पलाइन 1090 के संबंध में जानकारी दी।

उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के सदुपयोग पर जोर देते हुए कहा कि इसका उपयोग बच्चों की पढ़ाई, दैनिक कार्यों एवं अन्य उपयोगी गतिविधियों में किया जा सकता है, लेकिन इसके साथ निजता एवं डिजिटल सुरक्षा का ध्यान रखना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक महिला कम से कम दस अन्य महिलाओं को डिजिटल सुरक्षा एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग के संबंध में जागरूक करे।



दतिया में जनसुनवाई: 88 से अधिक आवेदकों ने रखी समस्याएं

दतिया। न्यू कलेक्टर सभाक्ष में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में दूर-दराज के अंचलों से पहुंचे 88 से अधिक आवेदकों ने अपनी समस्याएं प्रशासनिक अधिकारियों के समक्ष रखीं। कलेक्टर स्वप्निल वानखेड़े ने सभी की शिकायतें ध्यानपूर्वक सुनीं। इस दौरान मुख्य रूप से रास्ता अवरुद्ध करने, नाली की निकासी, वृद्धावस्था पेंशन, सीमांकन, नामांतरण, बंटवारा,

बीपीएल सूची, सड़क निर्माण और छात्रवृत्ति से जुड़े आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को सभी आवेदनों के त्वरित और समय-सीमा में निराकरण के कड़े निर्देश दिए। कुछ मामलों का मौके पर ही समाधान किया गया। इस दौरान अपर कलेक्टर भूपेंद्र सिंह कुशवाहा और सीईओ जिला पंचायत शैलेंद्र सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

दतिया में मूकबधिर बच्चों के लिए साइन लैंग्वेज वीक पर विशेष जागरूकता सत्र

दतिया, जीएनएस।

साइन लैंग्वेज वीक के अवसर पर मंगलवार को मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर द्वारा श्रवण एवं वाक् बाधित बच्चों के लिए विशेष जागरूकता एवं सशक्तीकरण सत्र आयोजित किया गया। दतिया में मूकबधिर विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने एडीआर भवन में सांकेतिक भाषा विशेषज्ञों के साथ ऑनलाइन कार्यशाला में सहभागिता की।

कार्यक्रम में बच्चों को कानूनी अधिकार, निःशुल्क विधिक सहायता, भावनात्मक स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन, शिक्षा,



करियर और सामाजिक सुरक्षा से संबंधित जानकारी दी गई। किशोर न्याय अधिनियम-2015 और दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम-2016 के तहत बच्चों के अधिकारों और न्याय तक पहुंच के बारे में भी बताया गया।

सत्र में बच्चों को बुलिंग, लैंगिक हिंसा, दुर्व्यवहार, यौन

शोषण और ऑनलाइन उत्पीड़न से बचाव के उपाय साइन लैंग्वेज और विजुअल माध्यम से समझाए गए। डिजिटल सुरक्षा एवं साइबर अपराधों से बचाव की जानकारी भी दी गई।

बच्चों ने सांकेतिक भाषा में लघु नाटिकाओं और समूह गतिविधियों के माध्यम से अपने

विचार साझा किए। वहीं कला, नृत्य, खेल, छात्रवृत्ति, सरकारी योजनाओं और करियर के अवसरों की जानकारी देकर बच्चों को भविष्य के लिए प्रोत्साहित किया गया।

ऑनलाइन कार्यशाला के शुभारंभ अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सहित दतिया जिला स्थापना के समस्त न्यायाधीशगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य श्रवण एवं वाक् बाधित बच्चों को उनके अधिकारों, सुरक्षा और भविष्य के अवसरों के प्रति जागरूक कर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए सशक्त बनाना रहा।

अवैध कॉलोनियों के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई: वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाने वाले भूमिस्वामियों एवं कॉलोनी विकासकर्ताओं पर आपराधिक प्रकरण दर्ज कराने के निर्देश

ग्वालियर, जीएनएस।

नगर परिषद क्षेत्र एवं ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध रूप से विकसित की जा रही कॉलोनियों के संबंध में अनुविभागीय अधिकारियों (राजस्व) द्वारा नियमानुसार कार्रवाई के लिए कलेक्टर के समक्ष प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए थे। इन प्रस्तावों के आधार पर कलेक्टर न्यायालय में संबंधित भूमिस्वामियों एवं अवैध कॉलोनी विकासकर्ताओं

को सुनवाई का अवसर दिया गया तथा कॉलोनियों के संबंध में वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए पर्याप्त समय भी दिया गया। इसके बावजूद संबंधित भूमिस्वामी एवं कॉलोनी विकासकर्ता वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने में असफल रहे। शासन द्वारा नगर पालिका परिषद एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विकसित की जा रही अवैध कॉलोनियों के विरुद्ध कार्रवाई के

लिए कलेक्टर को सक्षम अधिकारी के रूप में अधिकृत किया गया है। वहीं, नगर निगम क्षेत्र में विकसित हो रही अवैध कॉलोनियों के विरुद्ध कार्रवाई के लिए नगर निगम आयुक्त को अधिकृत किया गया है। कलेक्टर द्वारा मध्यप्रदेश ग्राम पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम, 1993 की धारा 61 के प्रावधानों के तहत संबंधित भूमिस्वामी एवं अवैध कॉलोनी

विकासकर्ताओं के विरुद्ध आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही मध्यप्रदेश ग्राम पंचायत कॉलोनी विकास नियम, 2014 के नियम 21 के प्रावधानों के अनुसार आगामी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अनुविभागीय अधिकारियों को दिए गए हैं। इसी प्रकार नगरीय परिषद क्षेत्र में विकसित की जा रही अवैध

कॉलोनियों के संबंध में मध्यप्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1956, मध्यप्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1961 तथा मध्यप्रदेश नगरपालिका (कॉलोनी का विकास) नियम, 2021 के नियम 22 में वर्णित प्रावधानों के अनुरूप आपराधिक प्रकरण दर्ज कराने एवं नियमानुसार आगामी कार्रवाई करने के निर्देश संबंधित अनुविभागीय अधिकारियों को दिए गए हैं।

भिण्ड-गोरमी
के
समाचार
विज्ञापन
के लिए सम्पर्क करें
महेश चौधरी
98267-36233

श्रीजी
Har Khushi Ki Pahali Pasand
SCAN TO SHOP
OUR NEW PRODUCT

श्रमसाधना

संपादकीय

गलत जानकारियों से लड़ाई सही सूचनाओं से ही जीती जा सकती है

एक बुजुर्ग को मैसेज मिला- आपकी पेंशन बंद होने वाली है, तुरंत लिंक पर क्लिक करें। घबराहट में उन्होंने लिंक खोला और देखते ही देखते उनके बैंक खाते से 40 हजार रुपए निकल गए। उनके हाथ में मोबाइल था, सूचना थी, पर सच नहीं था। आज हर हाथ में मोबाइल है, पर सही सूचनाएं कितनी हैं? यही बड़ा सवाल है।

कभी सूचना सुविधा थी, आज जरूरत है। सांस की तरह अदृश्य, पर हर फैसले में मौजूद। मौसम का हाल हो या मंडी का भाव, बच्चे का दाखिला हो या पेंशन का नियम- हर कदम पर सूचना चाहिए। स्मार्टफोन ने सूचना जेब में ला दी, पर जेब में सूचनाओं का होना और हाथों में सही सूचनाओं का होना एक बात नहीं। हम सूचनाओं के अकाल से निकलकर उनकी बाढ़ में आ चुके हैं।

यूनेस्को के विंडहोक+30 घोषणापत्र ने सूचना को पब्लिक गूड यानी लोकहित कहा है। संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य 16.10.2 के तहत यूनेस्को वैश्विक निगरानी करता है। यूएन क्रॉनिकल (25 सितंबर 2025) के अनुसार आज 139 देशों में सूचना का अधिकार कानून है, जो 1990 में केवल 14 देशों में था। भारत में सूचना के अधिकार ने 2005 में नागरिकों को सवाल पूछने की ताकत दी। पर कानून होना और उसका सरल रूप में नागरिक तक पहुंचना, अलग बातें हैं।

भारत में 90 करोड़ से ज्यादा इंटरनेट यूजर्स हैं। डिजिटल, उमंग, जन-सूचना पोर्टलों ने फाइलों को फोन तक पहुंचाया, यह उपलब्धि है। फिर भी कई पोर्टलों पर जानकारी ऐसी कानूनी भाषा में है, जो नागरिकों को समझ नहीं आती। हर बोर्ड अलग रास्ता बताए तो मंजिल तक पहुंचना कठिन है। चुनौती विश्वसनीयता की है।

डिजिटल दुनिया में सूचना के साथ फर्जी सूचना-स्पैम का सैलाब बढ़ रहा है। ट्रूकॉलर इनसाइट्स रिपोर्ट 2025 के अनुसार, भारत में 2025 में 4,168 करोड़ स्पैम कॉल और 12,903 करोड़ स्पैम मैसेज पहचाने गए- यानी रोज औसत करीब 47 करोड़ अवांछित कॉल-मैसेज। ऐसे में दूरसंचार विभाग के 'संचार साथी' जैसी विनियामक पहल और पीआईबी फैक्ट चेक जैसे तंत्र जरूरी तकनीकी कवच तो हैं, पर मैसेज फॉरवर्ड करने से पहले जांचना तो हमारा ही काम है। हर स्क्रीन पर कुछ है, पर शोर में सच पहचानना कठिन है। पहुंच का मतलब जानकारी पहुंचना नहीं, कसौटी यह है कि नागरिक उसे समझ, परख और अपने हित में इस्तेमाल कर पा रहा है या नहीं। यह पूछने का सूचना-विवेक जरूरी है कि स्रोत क्या है, विश्वसनीयता कितनी है, संदर्भ क्या है आदि। सोशल मीडिया और एआई ने सूचनाओं की गति तेज तो की है, पर डीपफेक और एल्गोरिदम के भ्रम ने उसे धुंधलाया भी है। लोकतंत्र में डिजिटल दक्ष ही नहीं, विवेकशील नागरिक भी चाहिए। प्रशासन और नागरिक का रिश्ता 4 बातों पर टिका है - 1. पारदर्शिता- यानी सूचना सरल भाषा में, समय पर और बिना मांगे मिले, जैसे राजस्थान का जन-सूचना पोर्टल; 2. सशक्तीकरण- यानी नागरिक लाभांश नहीं, भागीदार बनें, किसान अपनी भाषा में मौसम-भाव समझें; 3. भरोसेमंद शासन- यानी पहुंच के साथ निजता-सुरक्षा भी; और 4. जवाबदेही- यानी सही सूचना से सवाल और सवालों से जवाब निकलें।

प्रान्तीय कार्यालय : 76 शबरी कॉम्प्लेक्स, एम.पी. नगर जोन-2 भोपाल, फोन : 0755-2579530

प्रान्तीय ब्यूरो प्रमुख : एल.एन. तवर, 9827781209

प्रान्तीय ब्यूरो : डॉ. जानकी अहिरवार 9406580345

Email:shramsadhnagwl@gmail.com

अंतरराष्ट्रीय वृद्ध दिवस पर विशेष

बुजुर्ग समाज की शान हैं, अनुभव और ज्ञान के भण्डार हैं

ऋतुपर्ण दवे

वृद्ध हमारे परिवार और समाज की गरिमा हैं, शान हैं एक तरह से धरोहर हैं। समाज में वृद्धजनों की भूमिका केवल एक परिवार के बुजुर्ग तक सीमित नहीं है, बल्कि वे समाज के नैतिक और सांस्कृतिक आधार भी हैं। उनका जीवन, अनुभव और ज्ञान समाज को सही दिशा दिखाने में महत्वपूर्ण होता है। आज जब इस दौर में समाज में अलगाव और व्यस्तताएं बढ़ रही हैं, वृद्धजनों की देखभाल और सम्मान के प्रति समाज की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। समाज, परिवार और राष्ट्र के निर्माण में वरिष्ठ नागरिकों के अमूल्य योगदान का सम्मान करना तथा उनके स्वास्थ्य, अधिकारों और गरिमापूर्ण जीवन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से अंतराष्ट्रीय वृद्ध दिवस मनाया जाता है। इस नेक काम की शुरुआत अंतराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के रूप में पहली बार 1 अक्टूबर 1991 में हुई। हर वर्ष इसी दिन मनाने का निर्णय 14 दिसंबर 1990 को संयुक्त राष्ट्र महासभा लिया।

हर साल 1 अक्टूबर को, हम अपने करीब के चिकित्सालयों में ऐसा कुछ देखते हैं जो वास्तव में कैलेण्डर में नहीं होता है। 70-80 वर्ष की आयु के मरीज जो अभी भी अकेले आते हैं, अपनी दवाइयों का समय खुद तय करते हैं और लक्ष्णों को कम करके आंकते हैं क्योंकि वे किसी को परेशान नहीं करना चाहते। यह दिन स्वस्थ वृद्धावस्था वास्तव में कैसी होती



है, इस पर चर्चा करने का अवसर है, न कि केवल इसे सरसरी तौर पर रस्म अदायगी कर मनाने का। बुजुर्गों की देखभाल के बारे में हम बातें तो बहुत करते हैं लेकिन अमल में नहीं लाते। बस इसी कथनी और करनी की खाई पाटने के लिए अंतराष्ट्रीय वृद्ध दिवस की परिकल्पना की गई। निश्चित रूप से इस दिन को समारोह पूर्वक मनाने से समाज में काफी बदलाव आया है। लोग सजग हुए हैं खासकर वो युवा जो कल वृद्ध होंगे एक सकारात्मक सोच और अपना भविष्य देखने के साथ आगे बढ़ रहे हैं। यह एक अच्छा संकेत है।

हर वर्ष एक नए थीम के साथ इस दिन को इसलिए भी मनाया जाता है ताकि बुजुर्गों की देखरेख को लेकर नए-नए विचार और सुधार को

अंजाम दिया जा सके। इस वर्ष की थीम - 'दी एज ऑफ लॉन्गेविटी, रीथ्रिंकिंग सिस्टम्स फॉर लांग लाइव्स' - यानी - 'दीर्घायु का युग, दीर्घायु के लिए प्रणालियों पर पुनर्विचार' है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, अब दुनिया के आधे देशों में औसत आयु 75 वर्ष से अधिक हो गई है, जो 1950 की तुलना में 2030 तक 25 वर्ष अधिक होने का अनुमान है। एक अनुमान के अनुसार, वैश्विक स्तर पर वृद्धों की संख्या युवाओं से अधिक है और विकासशील देशों में यह संख्या तेजी से बढ़ रही है। इसीलिए वृद्धों की देखरेख, उनके योगदान, ज्ञान, गरिमा और जरूरतों को स्वीकार करने और उनकी भलाई सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किए जा रहे प्रयासों की जानकारी और उसमें नए-नए संशोधनों और

वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के लिए इस दिन पूरे विश्व में गहन विचार विमर्श होता है और नए कार्यक्रमों, सुधारों और बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं को शामिल किया जाता है। इसीलिए हर वर्ष एक नए थीम के साथ यह दिन मनाया जाता है।

विश्व में 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के बुजुर्गों की संख्या वर्तमान में लगभग 1.25 अरब है, जो कुल वैश्विक आबादी का एक बड़ा हिस्सा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, 2020 में 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की संख्या 1 अरब थी। अब दुनिया में हर 9 में से 1 व्यक्ति की उम्र 60 साल या उससे अधिक है। 65 वर्ष से अधिक उम्र के आज दुनिया में लगभग 83 करोड़ लोग हैं। अनुमान है कि 2030 तक दुनिया में हर 6 में से 1 व्यक्ति 65 वर्ष या उससे अधिक आयु का होगा और तब इनकी संख्या लगभग 1.4 अरब होगी। 2050 तक का अनुमान है कि यह संख्या लगभग दोगुनी यानी 2.1 अरब हो जाएगी। जबकि 80 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों की संख्या 2030 से 2050 के बीच तीन गुना बढ़कर 42.6 करोड़ हो जाने का अनुमान है। अभी चीन दुनिया में सबसे बड़ी बुजुर्ग जनसंख्या वाला देश है जो लगभग 193.8 मिलियन है। जबकि भारत लगभग 97.7 मिलियन बुजुर्गों के साथ दूसरे स्थान पर है, वहीं संयुक्त राज्य अमेरिका 57.1 बुजुर्गों के साथ तीसरे क्रम पर है।

दाल रोटी खाओ प्रभु के घर जाओ

वीरेंद्र हीरालाल पथरिया

दाल-रोटी खाओ, प्रभु के गुण गाओ।-हमारे गांव-घर की यह कहावत केवल सादगी का संदेश नहीं थी, बल्कि उस जीवन-दर्शन की अभिव्यक्ति थी जिसमें साधारण भोजन को ही स्वस्थ और संतोषपूर्ण जीवन का आधार माना जाता था। दाल और रोटी गरीब की मजबूरी नहीं, भारतीय भोजन संस्कृति की पहचान रही है।

देश में एनालॉग पनीर पर चिंता बड़े जोरों पर चल रही है लेकिन वही एक ओर सदियों से सामान्य इंसान के खाने की थाली का महत्वपूर्ण हिस्सा रही दाल जब दाल ही भरोसे के लायक न रहे तो आदमी खायेगा क्या?

शाकाहारी भोजन करने वालों के लिए दाल प्रोटीन का महत्वपूर्ण स्रोत है। बच्चों के भोजन से लेकर बुजुर्गों की थाली तक और सामान्य भोजन से लेकर बीमारी में दिए जाने वाले हल्के आहार तक, दाल का अपना महत्व है। खासकर मूंग की दाल को अक्सर सुपाच्य भोजन के रूप में देखा जाता है। इसलिए दाल में किसी भी प्रकार की अनुचित मिलावट या प्रक्रिया से जुड़ा जोखिम केवल स्वाद का सवाल नहीं है, यह सीधे स्वास्थ्य से जुड़ा विषय है।

दाल को बाजार तक पहुंचाने से पहले सफाई, ग्रेडिंग, कंडीशनिंग और मिलिंग जैसी प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है। इन प्रक्रियाओं का उद्देश्य दाल को साफ, सुरक्षित और उपभोग

योग्य बनाना है। समस्या तब शुरू होती है जब प्राकृतिक गुणवत्ता से अधिक महत्व उसके रंग, चमक और बाजार में आकर्षक दिखने को मिलने लगे।

ग्राहक बाजार में जाता है। उसकी नजर चमकदार दाल पर पड़ती है। एक जैसी, सुंदर और आकर्षक दाल देखकर उसे लगता है कि यही सबसे अच्छी होगी। लेकिन वह यह कैसे जाने कि इस चमक के पीछे क्या प्रक्रिया अपनाई गई है?

यहीं से हमें अपनी उपभोक्ता दृष्टि पर विचार करना चाहिए।

हर चमक मिलावट का प्रमाण नहीं है और हर प्राकृतिक रंग गुणवत्ता की गारंटी भी नहीं। लेकिन अत्यधिक चमक, असामान्य रंग या अप्राकृतिक एकरूपता को गुणवत्ता का प्रमाण मान लेना भी उचित नहीं। सस्फट्ट की उपभोक्ता मार्गदर्शिका दालों में संभावित मिलावट और कृत्रिम रंगों के प्रति सावधानी बरतने की सलाह देती है।

भारत में खाद्य सुरक्षा के लिए बाकायदा कानूनी और नियामकीय व्यवस्था मौजूद है। स्रशभस्र स्टूडदहह4 इटुस्र स्टूडुस्रइहस्रहह, 2006 का उद्देश्य खाद्य पदार्थों के लिए विज्ञान-आधारित मानक तय करना तथा उनके निर्माण, भंडारण, वितरण और बिक्री को विनियमित करते हुए सुरक्षित और स्वास्थ्यकर भोजन उपलब्ध कराना है। इसलिए सवाल यह नहीं है कि बाजार में बिकने वाली हर दाल संदिग्ध

है। सवाल यह है कि जहां खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन होता है, वहां उसकी पहचान, जांच और कार्रवाई कितनी प्रभावी है।

सबसे कमजोर कड़ी यहां उपभोक्ता है।

वह दाल खरीदता है, घर लाता है, परिवार को खिलाता है और यह विश्वास करता है कि बाजार से खरीदा गया भोजन सुरक्षित होगा। उसके पास न प्रयोगशाला है, न हर दाने की जांच करने की सुविधा। उसके पास है तो केवल भरोसा।

और भोजन की दुनिया में उपभोक्ता का सबसे बड़ा अधिकार यही भरोसा है।

जब उस भरोसे पर सवाल उठता है तो नुकसान केवल एक खरीददार का नहीं होता। खाद्य सुरक्षा में छेटी-सी लापरवाही भी बड़े स्तर पर चिंता का विषय बन सकती है। इसलिए निगरानी और वैज्ञानिक जांच केवल किसी विशेष अवसर की कार्रवाई न होकर निरंतर प्रक्रिया होनी चाहिए।

दाल ही क्यों, मसाले, तेल, दूध, आटा और रोजमर्रा के दूसरे खाद्य पदार्थ भी हमारी थाली का हिस्सा हैं। इनके संबंध में गुणवत्ता की जांच, मानकों का पालन और उपभोक्ता जागरूकता लगातार मजबूत होना जरूरी है।

साथ ही जिम्मेदारी केवल प्रशासन की नहीं है। किसान को अच्छी

उपज देनी है, प्रोसेसर को निर्धारित मानकों का पालन करना है, व्यापारी को सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराना है और उपभोक्ता को जागरूक होकर खरीदारी करनी है।

हमें भी अपनी आदत बदलनी होगी। पैकेट पर लाइसेंस संबंधी जानकारी, पैकिंग और 'बेस्ट बिफोर' जैसी सूचनाएं देखना, असामान्य रंग या गंध वाले खाद्य पदार्थ से सावधान रहना और संदेह होने पर आधिकारिक जांच की व्यवस्था का उपयोग करना उपभोक्ता की समझदारी है। स्रस्फट्ट भी पैकेज्ड दालों के मामले में लेबल और स्रस्फट्ट लाइसेंस संबंधी जानकारी देखने तथा संदिग्ध खाद्य पदार्थों के प्रति सावधानी बरतने की सलाह देता है।

कभी हमारी माताएं दाल खरीदते समय उसके दाने, गंध और प्राकृतिक रंग को देखकर संतुष्ट होती थीं। आज पैकेट, ब्रांड और चमक हमारी पहली पसंद बन गए हैं। आधुनिक बाजार ने हमारी सुविधाएं बढ़ाई हैं, लेकिन उसके साथ सजग उपभोक्ता बनने की जरूरत भी बढ़ी है।

आखिर भोजन वह चीज है जिसे हम केवल खरीदते नहीं, अपने शरीर का हिस्सा बनाते हैं। इसलिए हमें ऐसी व्यवस्था चाहिए जहां भोजन केवल सुंदर दिखाई न दे, बल्कि सुरक्षित भी हो; केवल पैकिंग आकर्षक न हो, बल्कि गुणवत्ता भरोसेमंद हो।

इंदौर में नवरात्रि का अनोखा आयोजन: मां काली के साथ नवदुर्गा और यमराज की प्रतिमा, रुद्र रूप में होंगे दर्शन

प्रीति शर्मा/ इंदौर
नवरात्रि के पावन पर्व पर इंदौर के मुसाखेड़ी क्षेत्र में इस बार श्रद्धालुओं को मां काली का अनोखा और रौद्र स्वरूप देखने को मिलेगा। श्री कृष्ण गरबा मंडल द्वारा इस वर्ष विशेष धार्मिक आयोजन किया जा रहा है। मां कालिका के साथ नवदुर्गा के स्वरूपों के बीच यमराज की प्रतिमा भी स्थापित की जाएगी।
आयोजकों के अनुसार धार्मिक परिकल्पना के साथ होने वाला यह आयोजन इस बार विशेष

आकर्षण का केंद्र रहेगा। मां काली की प्रतिमा को रुद्र स्वरूप में तैयार किया जा रहा है। प्रतिमाओं के निर्माण और आयोजन की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं।
देश में पहली बार यमराज की स्थापना का दावा
समाजसेवी रमेश सिंह तोमर ने बताया कि इस बार आयोजन में देश में पहली बार भगवान यमराज की प्रतिमा की स्थापना की जा रही है। उन्होंने कहा कि वे स्वयं यमराज की पूजा करेंगे।
रमेश सिंह तोमर ने कहा कि

28 वर्षों से जारी है प्रतिमा स्थापना

श्री कृष्ण गरबा मंडल के आयोजक महेंद्र ने बताया कि मंडल द्वारा पिछले 28 वर्षों से लगातार नवरात्रि के दौरान मां की प्रतिमा स्थापित की जा रही है। हर वर्ष धार्मिक आयोजन को नया और विशेष स्वरूप देने का प्रयास किया जाता है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष मां काली के रुद्र स्वरूप के साथ नवदुर्गा और यमराज की प्रतिमा स्थापित की जा रही है।

यमराज की भी पूजा की जानी चाहिए, क्योंकि वे सूर्य पुत्र हैं और शनिदेव के भाई हैं। उनका कहना है कि नवरात्रि के इस आयोजन में यमराज की स्थापना के माध्यम से श्रद्धालुओं को धार्मिक और आध्यात्मिक संदेश देने का प्रयास

किया जा रहा है।

28 साल से अतुल मूर्तिकार बना रहे प्रतिमा

मां की प्रतिमा का निर्माण पिछले 28 वर्षों से अतुल मूर्तिकार द्वारा किया जा रहा है। इस बार भी मां काली की प्रतिमा को विशेष रौद्र

स्वरूप देने के लिए बारीकी से काम किया जा रहा है। आयोजन समिति के कार्यकर्ता प्रतिमा निर्माण से लेकर नवरात्रि की व्यवस्थाओं तक तैयारियों में जुटे हैं।

नौ दिन गूजेगा गरबा, होंगे रंगारंग कार्यक्रम: नवरात्रि के पूरे नौ दिनों तक गरबा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही श्रद्धालुओं के मनोरंजन के लिए विभिन्न रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। आयोजन समिति द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए

व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

मां काली के रुद्र रूप के साथ यमराज की प्रतिमा बनेगी आकर्षण: मां काली का रुद्र स्वरूप, नवदुर्गा के विभिन्न रूपों के साथ यमराज की प्रतिमा और नौ दिनों तक चलने वाला गरबा महोत्सव इस बार मुसाखेड़ी के नवरात्रि आयोजन को खास बनाएगा। आयोजन समिति को उम्मीद है कि बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचकर मां के दर्शन करेंगे और धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में शामिल होंगे।

महाराजा अग्रसेन जयंती पर 9 को होगा भव्य दीपमालिका एवं बाल सांस्कृतिक संध्या का आयोजन

फिरोजाबाद, जीएनएस।
श्री श्री 1008 महाराजा अग्रसेन जी जयंती महोत्सव 2026 के पावन अवसर पर अग्रोहा विकास ट्रस्ट (अग्रोहा विकास समिति, मुख्य शाखा फिरोजाबाद) के सान्निध्य में आगामी शुक्रवार, 9 अक्टूबर 2026 को सायं 6 बजे श्री महाराजा अग्रसेन कन्या विद्यालय, दुर्गा नगर, फिरोजाबाद में भव्य दीपमालिका एवं बाल सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जाएगा।
आयोजन की तैयारियों एवं कार्यक्रमों को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से 20 सितंबर को संस्था के वरिष्ठ सदस्यों एवं विशिष्ट

पदाधिकारियों की एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें कार्यक्रम की रूपरेखा सुनिश्चित की गई। कार्यक्रम के अंतर्गत दीपमालिका के माध्यम से प्रेम, एकता एवं सामाजिक सद्भाव का संदेश दिया जाएगा।

साथ ही, नन्हे-मुन्हे बच्चों द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी जाएँगी। संस्था की ओर से सभी अग्रोहा समिति परिवार की समस्त महिलाओं से विशेष अनुरोध किया गया है कि वे दीपमालिका के लिए अपने साथ पाँच दीपक अवश्य लेकर आएँ तथा सपरिवार कार्यक्रम में सम्मिलित होकर आयोजन की शोभा बढ़ाएँ।

संस्था का उद्देश्य महाराजा अग्रसेन जी के आदर्शों, सामाजिक समरसता, आपसी भाईचारे एवं सेवा भावना को जन-जन तक पहुँचाना है। संस्था ने सभी सदस्यों एवं नगरवासियों से कार्यक्रम में गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष मोहन लाल जिंदल, सचिव अमित बंसल 'राज', वेदप्रकाश, अजय बंसल 'अज्जू', अवध बिहारी, डॉ. अनिल, अनुग्रह गोपाल, विवेक, सचिन सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

जिला कारागार का औचक निरीक्षण, बंदियों से जानी सुविधाओं की स्थिति

फिरोजाबाद, जीएनएस।

जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा, जनपद न्यायाधीश डॉ. बबू सारंग और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आदित्य लांगे ने मंगलवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव योगेश शिवा के साथ जिला कारागार का औचक निरीक्षण किया। अधिकारियों ने जेल की सुरक्षा व्यवस्था के साथ बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने विभिन्न बैरकों और जेल परिसर का भ्रमण किया। बंदियों से सीधे बातचीत कर उनके



हालचाल जाने। साथ ही उनके मुकदमों की पैरवी और विधिक सहायता के संबंध में जानकारी ली। अधिकारियों ने बंदियों से भोजन, दैनिक जरूरतों और जेल प्रशासन की ओर से उपलब्ध कराई जा रही अन्य सुविधाओं के बारे में भी पूछताछ की। बंदियों ने बताया कि उन्हें जेल प्रशासन की ओर से

किसी तरह की परेशानी नहीं है। भोजन और दैनिक व्यवस्थाएं सुचारु रूप से उपलब्ध कराई जा रही हैं। निरीक्षण के दौरान जेल परिसर और बैरकों में साफ-सफाई व्यवस्था भी देखी गई, जो संतोषजनक मिली। निरीक्षण के अंत में अधिकारियों ने जेल प्रशासन को निर्देश दिए कि शासन के निर्धारित मानकों के अनुरूप बंदियों को सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। साफ-सफाई और अन्य व्यवस्थाओं को भी लगातार दुरुस्त रखा जाए।

बाइक सवार ने महिला से मोबाइल और 4850 रुपये छीने

फिरोजाबाद, जीएनएस।
थाना उत्तर क्षेत्र में सोमवार रात पैदल घर जा रही महिला से बाइक सवार युवक मोबाइल फोन और उसके कवर में रखे 4,850 रुपये छीनकर फरार हो गया। घटना के बाद पीड़िता ने थाना उत्तर पुलिस को तहरीर देकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई और मोबाइल बरामद कराने की मांग की है। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर ली है और सीसीटीवी फुटेज खंगालने में लगी है।

रानी नगर नवीन गल्ला मंडी कोटला रोड निवासी पूजा यादव

नगला बरी स्थित लक्ष्मी फाउंडेशन हॉस्पिटल में कार्यरत है। आरोप लगाया वह सोमवार रात करीब 8-10 बजे लक्ष्मी हॉस्पिटल से भारत गैस एजेंसी के पास से पैदल कोटला चुंगी की ओर जा रही थीं। इसी दौरान नगला बरी की तरफ से पीछे से बाइक पर आए युवक ने झपट्टा मारकर जबरदस्ती उनका मोबाइल छीन लिया। वारदात के बाद आरोपी बाइक से कोटला चुंगी की ओर भाग गया। मोबाइल के कवर में 4,850 रुपये भी रखे हुए थे। अचानक हुई वारदात से महिला घबरा गई। वारदात होते ही

आसपास के राहगीरों की भीड़ एकत्रित हो गई। पीड़िता पूजा ने डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंच घटना की जानकारी ली। इसके बाद में उन्होंने थाने पहुंचकर पुलिस को घटना की जानकारी दी। पुलिस तहरीर के आधार पर आरोपी की तलाश में जुटी है। थाना प्रभारी रवि कुमार त्यागी ने बताया कि पुलिस टीम आसपास के लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाल रही है। तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। जल्द घटना का खुलासा कर दिया जाएगा।

सबसे उत्कृष्ट कार्य पीड़ित मानवता की सेवा: लव दास

ग्वालियर, जीएनएस।

नर सेवा नारायण की सेवा के समान होती है। पीड़ित मानवता की सेवा से बढ़कर कोई कार्य नहीं है। बी केयर एनजीओ एक ओर पितरों के निमित्त भागवत कराकर मानव कल्याण का कार्य कर रही है, वहीं कथा स्थल पर स्वास्थ्य शिविर लगाकर पीड़ित मानवता की सेवा भी कर रही है। यह विचार कथा व्यास लव दास महाराज ने शताब्दीपुरम स्थित दंदरौआ धाम में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के तृतीय दिवस मंगलवार को व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि सभी की चिंता करना अच्छी बात है, लेकिन



आत्मकल्याण के लिए आत्मचिंतन भी जरूरी है। ज्ञानी व्यक्ति सिर्फ एक ही विषय का चिंतन करते हैं और अज्ञानी अनेक विषयों में खोकर मूल उद्देश्य से भटक जाते हैं। मानव जीवन का एक ही उद्देश्य है-भागवत प्राप्ति। मनुष्य के कल्याण के तीन साधन हैं-श्रवण, कीर्तन और मनन। भगवान की कथा

सुनने, उनका कीर्तन करने और उनके स्वरूप का दर्शन एवं मनन करने से मनुष्य का कल्याण हो जाता है। उन्होंने कहा कि जब मृत्यु निकट आए तो मोह का त्याग कर देना चाहिए। इसके साथ शरीर और परिवार के प्रति आसक्ति का भी त्याग कर देना चाहिए और यह भाव मन में लाना चाहिए कि जब तक भगवान के दर्शन न हो जाएं, तब तक प्राण नहीं छोड़ूंगा। मानव जीवन पाकर जो भगवान का भजन नहीं करते, उनका जीवन व्यर्थ है। ऐसे इंसानों से तो पशु अच्छे हैं, जो किसी के बारे में न तो बुरा बोलते हैं।

सेवा सेतु अभियान 4 अक्टूबर से

ग्वालियर। मध्यप्रदेश शासन द्वारा 4 अक्टूबर से सेवा सेतु अभियान प्रारंभ किया जा रहा है। इस अभियान के तहत प्रत्येक क्षेत्रीय कार्यालय में शिविर का आयोजन किया जाएगा, इस अभियान में पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ दिया जाएगा। नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी ने सेवा सेतु अभियान के तहत सभी अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी हैं। साथ ही सभी अधिकारियों को शिविर के तहत स्वच्छता के विशेष ध्यान रखने और शिविर में आने वाले हितग्राहियों के लिए समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं।

नगर निगम ने गंदगी करने वालों से वसूला 9950 रुपये का जुर्माना

ग्वालियर, जीएनएस।

नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देश पर शहर भर में स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई कर 9950 रुपये का जुर्माना वसूल किया गया। इसके साथ ही वार्ड 40 में लावा पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ 1200 रुपये का जुर्माना किया गया। मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वैभव श्रीवास्तव ने बताया कि नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग की टीम ने स्वच्छता मानकों का उल्लंघन करने

पर गंदगी करने वाले लोगों से कुल 9950 रुपये का जुर्माना वसूला है। उन्होंने बताया कि डेंगू व अन्य संक्रामक बीमारियों की रोकथाम को ध्यान में रखते हुए विशेष निरीक्षण भी किया जा रहा है। इसी कड़ी में वार्ड क्रमांक 40 में मच्छों का लावा मिलने पर 1,200 रुपये का जुर्माना किया गया। मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वैभव श्रीवास्तव ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने आसपास साफ-सफाई बनाए रखें, जलजमाव न होने दें और स्वच्छता अभियान में सहयोग करें और जुर्माने की कार्रवाई से बचें।

सड़कों से हटाया अवैध अतिक्रमण

ग्वालियर, जीएनएस।

नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देशानुसार शहर को सुव्यवस्थित और अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए मदाखलत द्वारा शहर में मुख्य मार्गों से अतिक्रमण हटाया गया, साथ ही लंपीग्रस्त और घायल गोवंश के उपचार के लिए भी कदम उठाए गए। मदाखलत नोडल अधिकारी श्री केशव चौहान ने बताया कि ग्वालियर विधानसभा के अंतर्गत किलागेट रोड, हजीरा चौराहा, चार शहर का नाका, ईटक मैदान रोड, रेलवे स्टेशन रोड, लक्ष्मणपुरा और पड़ाव क्षेत्र में यातायात में बाधा बन रहे हाथठेलों, सड़क पर रखे अवैध

सामान और अन्य अस्थायी अतिक्रमण को हटवाया गया। सभी हाथठेलों को व्यवस्थित रूप से हाकर्स जोन में भिजवाया गया।

पूर्व विधानसभा के अंतर्गत मुरार बारादरी चौराहा से लेकर सदर बाजार, अग्रसेन चौक, गणेश मंदिर, गर्म सड़क, गर्ल्स कॉलेज तक तथा सिंहपुर रोड पर कार्रवाई की गई। यातायात प्रभावित कर रहे हाथठेलों को हटाया गया और दुकानदारों द्वारा सड़क पर निकाले गए सामान को दुकानों के अंदर करवाया गया।

साथ ही ए.जी. पुल से लेकर अचलेश्वर चौराहा तथा मांडरे की माता चौराहा तक बिजली के खंभों

पर अवैध रूप से लगाए गए झंडे और बैनरों को निकालने की विशेष कार्रवाई की गई। दक्षिण विधानसभा के महाराज बाड़ा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सुभाष मार्केट, नजर बाग मार्केट, टोपी बाजार, छापाखाना, स्काउट एवं अन्य मुख्य मार्गों से हाथठेलों और फुटपाथ पर दुकान लगाने वालों को हटाकर मुख्य मार्ग को यातायात के लिए सुगम बनाया गया। कंट्रोल रूम पर मिली शिकायतों के आधार पर मदाखलत दल ने शहर भर से लंपी बीमारी से ग्रस्त गोवंश को उठाकर उपचार के लिए रतवाई गौशाला स्थित आइसोलेशन सेंटर पहुंचाया।

नारी सशक्तिकरण के लिए कानून और योजनाएं बढ़ीं, लेकिन सामाजिक सोच में बदलाव अब भी बड़ी चुनौती

कानूनों का कवच, फिर पितृसत्ता की जड़ें क्यों मजबूत?

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

भारत की सांस्कृतिक पहचान में नारी को शक्ति, सृजन, मातृत्व और करुणा के प्रतीक के रूप में प्रतिष्ठित किया गया है। मां दुर्गा, काली और शक्ति के विभिन्न स्वरूपों की आराधना भारतीय परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। लेकिन इसी सांस्कृतिक धरातल पर एक ओर नारी को देवी के रूप में पूजने की परंपरा है, तो दूसरी ओर परिवार, संपत्ति, आर्थिक संसाधनों, निर्णय लेने की प्रक्रिया, सामाजिक स्वतंत्रता और सार्वजनिक जीवन में पुरुष-प्रधान सोच से जुड़े सवाल आज भी मौजूद हैं। यही विरोधाभास 29 सितंबर 2026 को एक बार फिर राष्ट्रीय विमर्श का विषय बना, जब लोकसभा में विपक्ष के नेता ने महिलाओं की सुरक्षा और पितृसत्ता से जुड़े प्रश्न उठाए।

महिलाओं के विरुद्ध अपराध होने पर उनकी स्वतंत्रता, आवाजाही या सार्वजनिक जीवन को सीमित करने के बजाय अपराधियों की जवाबदेही और सामाजिक सोच पर ध्यान देने का विचार इस बहस का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा। इस संदर्भ में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि जब भारत में महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए संविधान, संसद, सरकार और न्यायपालिका ने अनेक कानूनी और संस्थागत उपाय किए हैं, तो सामाजिक स्तर पर पितृसत्तात्मक सोच की जड़ें अब भी क्यों दिखाई

देती हैं?

आधुनिक भारत में लैंगिक समानता का सबसे मजबूत आधार संविधान है। संविधान समानता, स्वतंत्रता और गरिमा के अधिकारों को मान्यता देता है तथा लिंग के आधार पर भेदभाव के विरुद्ध व्यवस्था करता है। संसद ने भी महिलाओं को अधिकार देने के लिए समय-समय पर महत्वपूर्ण कानून बनाए हैं। हिंदू उत्तराधिकार संशोधन अधिनियम-2005 ने बेटियों को पैतृक सहदायिकी संपत्ति में पुत्रों के समान अधिकार दिया। इसका महत्व केवल संपत्ति के अधिकार तक सीमित नहीं है, बल्कि आर्थिक स्वावलंबन और परिवार में निर्णय लेने की क्षमता से भी जुड़ा है।

घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम-2005, देहज प्रतिषेध अधिनियम-1961 और कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न से संरक्षण संबंधी कानून-2013 भी महिलाओं के अधिकारों और सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण कानूनी व्यवस्थाएं हैं। इन कानूनों का उद्देश्य केवल अपराध के बाद दंड देना नहीं, बल्कि महिलाओं को ऐसा कानूनी आधार देना भी है जिसके माध्यम से वे हिंसा, उत्पीड़न, भेदभाव और अधिकारों के उल्लंघन के विरुद्ध संस्थागत सहायता प्राप्त कर सकें।

राजनीतिक प्रतिनिधित्व के क्षेत्र में भी बड़ा संवैधानिक कदम उठाया गया है। संविधान का 106वां संशोधन अधिनियम-2023, जिसे नारी शक्ति वंदन

अधिनियम के रूप में जाना जाता है, लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और दिल्ली विधानसभा में लगभग एक-तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करने का प्रावधान करता है। हालांकि इसका वास्तविक क्रियान्वयन संबंधित जनगणना के प्रकाशन और उसके आधार पर होने वाले परिसीमन के बाद होना है। इससे स्पष्ट होता है कि राजनीतिक निर्णय प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए संवैधानिक स्तर पर भी व्यवस्था की गई है।

स्थानीय स्वशासन में महिलाओं की भागीदारी पहले से ही व्यापक है। पंचायती राज संस्थाओं में बड़ी संख्या में महिलाएं निर्वाचित प्रतिनिधि के रूप में काम कर रही हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार करीब 14.5 लाख निर्वाचित महिला प्रतिनिधि पंचायती राज संस्थाओं में हैं, जो कुल निर्वाचित प्रतिनिधियों का लगभग 46 प्रतिशत हैं। यह संख्या बताती है कि स्थानीय लोकतंत्र में महिलाओं की उपस्थिति केवल प्रतीकात्मक नहीं रह गई है।

सरकारी योजनाओं का दायरा भी महिला सशक्तिकरण तक विस्तृत है। मिशन शक्ति के अंतर्गत संबल और समर्थ्य जैसे घटक हैं। संबल में वन स्टॉप सेंटर, महिला हेल्पलाइन, बेटा बचाओ-बेटा पढ़ाओ और नारी अदालत जैसी पहल शामिल हैं। समर्थ्य महिला सशक्तिकरण से संबंधित कार्यक्रमों को समाहित करता है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में पात्र गर्भवती

और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को निर्धारित शर्तों के तहत आर्थिक सहायता का प्रावधान है। सुकन्या समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना और महिलाओं के नाम आवास आवंटन जैसी पहलें भी महिलाओं की सामाजिक और आर्थिक स्थिति मजबूत करने के उद्देश्य से संचालित की जा रही हैं।

सरकार के अनुसार अगस्त 2026 तक देश में 991 कार्यरत वन स्टॉप सेंटरों के माध्यम से 15.20 लाख से अधिक महिलाओं को सहायता दी जा चुकी थी। यह आंकड़ा बताता है कि महिलाओं के सामने आने वाली हिंसा और संकट की परिस्थितियों में संस्थागत सहायता का नेटवर्क लगातार विस्तृत हुआ है। लेकिन इसके बावजूद यदि सामाजिक व्यवहार में असमानता बनी रहती है, तो केवल योजनाओं और कानूनों से समस्या पूरी तरह समाप्त नहीं हो सकती।

यहीं पितृसत्ता का प्रश्न सामने आता है। आधुनिक सामाजिक अर्थ में पितृसत्ता ऐसी सामाजिक संरचना को कहा जाता है जिसमें परिवार, संपत्ति, आर्थिक संसाधनों और सामाजिक निर्णयों पर पुरुषों का अनुपातहीन नियंत्रण हो सकता है और महिलाओं की भूमिका अपेक्षाकृत गौण रह सकती है। इसका अर्थ यह नहीं है कि प्रत्येक परिवार, प्रत्येक पुरुष या प्रत्येक परंपरा अनिवार्य रूप से दमनकारी है। पितृसत्ता का विमर्श मुख्य रूप से उन संरचनात्मक प्रवृत्तियों की

पहचान करता है, जिनके कारण लिंग के आधार पर अधिकार और अवसर असमान हो सकते हैं।

इसका प्रभाव संपत्ति और आर्थिक निर्भरता से लेकर घरेलू श्रम-विभाजन, विवाह, स्वतंत्र आवाजाही, प्रजनन संबंधी निर्णय और सार्वजनिक जीवन में भागीदारी तक दिखाई दे सकता है। कई परिवारों में आज भी घरेलू निर्णयों में पुरुष को अंतिम निर्णायक मानने की प्रवृत्ति देखी जाती है। विवाह के बाद महिला द्वारा पति का उपनाम अपनाना, परिवार का नाम पिता से चलना या घरेलू काम को मुख्य रूप से महिला की जिम्मेदारी मानना जैसी परंपराएं भी इसी व्यापक सामाजिक विमर्श का हिस्सा बनती हैं। हालांकि इनमें से प्रत्येक व्यवहार को स्वतः कानूनी अपराध नहीं कहा जा सकता। संवैधानिक और कानूनी हस्तक्षेप का प्रश्न तब अधिक स्पष्ट होता है जब कोई सामाजिक व्यवहार भेदभाव, हिंसा, जबरदस्ती या किसी अधिकार के उल्लंघन में बदल जाता है।

महिला सुरक्षा को लेकर हाल की घटनाओं ने इस बहस को और व्यापक बनाया है। 29 सितंबर 2026 को विपक्ष के नेता का वक्तव्य दक्षिण दिल्ली के आस्था कुंज पार्क में 17 वर्षीय लड़की से कथित सामूहिक बलात्कार, बिहार के जमुई में नाबालिगों के कथित उत्पीड़न और महिला सुरक्षा को लेकर हो रहे प्रदर्शनों की पृष्ठभूमि में सामने आया। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार उन्होंने महिलाओं को

अपराधों के लिए जिम्मेदार ठहराने या उनकी स्वतंत्रता पर प्रतिबंध लगाने की मानसिकता की आलोचना की। यह एक राजनीतिक दृष्टिकोण और आरोप के रूप में देखा जाना चाहिए। संबंधित घटनाओं की जांच, आरोपों की पुष्टि और सरकार की जवाबदेही का निर्धारण सक्षम संस्थाओं और न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से होना है।

जमुई मामले में एक नाबालिग लड़की और उसके साथी के कथित उत्पीड़न से संबंधित वीडियो सामने आने के बाद विवाद हुआ और आरोपियों के विरुद्ध पॉक्सो कानून के तहत कार्रवाई की गई। दूसरी ओर दक्षिण दिल्ली के आस्था कुंज मामले में 17 वर्षीय लड़की द्वारा तीन व्यक्तियों पर सामूहिक बलात्कार का आरोप लगाए जाने के बाद विद्यार्थियों ने महिला सुरक्षा को लेकर प्रदर्शन किए। इन घटनाओं की अलग-अलग परिस्थितियां हैं, लेकिन इनके बीच एक साझा सामाजिक प्रश्न उभरता है कि महिलाओं और लड़कियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी समाज और संस्थाओं की है या उनकी स्वतंत्रता को सीमित करके सुरक्षा का समाधान खोजा जाना चाहिए।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार दुनिया में लगभग तीन में से एक महिला अपने जीवनकाल में अंतरंग साथी द्वारा शारीरिक अथवा यौन हिंसा या गैर-साथी द्वारा यौन हिंसा का अनुभव कर चुकी है।

नई भाषा, नई पहचान और संभावनाओं के नए द्वार

डॉ. विजय गर्ग

भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं है। यह लोगों, संस्कृतियों, विचारों और अवसरों के बीच एक सेतु है। नई भाषा सीखना केवल हमारी योग्यता में एक नया कौशल जोड़ना नहीं है, बल्कि यह दुनिया को समझने का दायरा बढ़ाता है और हमारी पहचान को एक नया आयाम देता है।

हर भाषा अपने भीतर इतिहास, परंपराएं, साहित्य और सोचने का एक अलग तरीका समेटे हुए है। जब हम कोई दूसरी भाषा सीखते हैं, तो हम एक अलग सांस्कृतिक दृष्टिकोण से दुनिया को देखने लगते हैं। हमें यह समझने में मदद मिलती है कि अलग-अलग समाज भावनाओं, रीतों, हास्य, ज्ञान और सामाजिक मूल्यों को किस प्रकार व्यक्त करते हैं। इस अर्थ में भाषा सीखना व्यक्ति को अधिक खुले विचारों वाला और

सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील बना सकता है।

आज की आपस में जुड़ी दुनिया में बहुभाषिकता का महत्व लगातार बढ़ रहा है। शिक्षा, पर्यटन, व्यापार, विज्ञान, तकनीक और अंतरराष्ट्रीय सहयोग अलग-अलग भाषाई पृष्ठभूमि वाले लोगों को एक-दूसरे के करीब ला रहे हैं। जो व्यक्ति एक से अधिक भाषाओं में संवाद कर सकता है, उसके लिए अधिक लोगों से जुड़ना और विभिन्न स्रोतों से जानकारी प्राप्त करना आसान हो सकता है।

नई भाषा व्यावसायिक अवसरों के द्वार भी खोल सकती है। विदेशी और क्षेत्रीय भाषाओं का ज्ञान शिक्षण, अनुवाद, पत्रकारिता, कूटनीति, ग्राहक सेवा, स्वास्थ्य सेवा, पर्यटन, अंतरराष्ट्रीय व्यापार और डिजिटल संचार जैसे क्षेत्रों में उपयोगी हो सकता है। विद्यार्थियों के लिए भाषाई कौशल उनकी

शैक्षिक यात्रा को मजबूत कर सकते हैं तथा उन्हें अपने परिचित भाषाई वातावरण से आगे के पाठ्यक्रमों, छात्रवृत्तियों, साहित्य और शैक्षणिक संसाधनों तक पहुंचने में सहायता कर सकते हैं।

तकनीक ने भाषा सीखने को पहले की तुलना में कहीं अधिक सुलभ बना दिया है। डिजिटल शब्दकोश, शैक्षणिक ऐप, ऑनलाइन पाठ्यक्रम, वीडियो, पॉडकास्ट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सीखने के उपकरण अब लगभग कहीं से भी शब्दावली, उच्चारण और बातचीत का अभ्यास करने की सुविधा देते हैं। हालांकि तकनीक केवल एक साधन है; वास्तविक भाषा दक्षता के लिए नियमित अभ्यास, धैर्य और मानवीय संवाद आज भी आवश्यक हैं।

भाषा सीखना मानसिक लचीलापन भी विकसित करता है।

नए शब्दों को याद रखना, अपरिचित व्याकरण को समझना और अलग-अलग भाषाओं के बीच बदलाव करना ध्यान और निरंतर अभ्यास की मांग करता है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि भाषा सीखने से हमें पता चलता है कि एक ही विचार को व्यक्त करने के कई तरीके हो सकते हैं। इससे सोच में लचीलापन और संचार कौशल विकसित हो सकते हैं।

बदलते भाषाई परिदृश्य में क्षेत्रीय भाषाओं का सम्मान भी उतना ही आवश्यक है। भारत की सबसे बड़ी शक्तियों में से एक उसकी असाधारण भाषाई विविधता है। पंजाबी, हिंदी, बंगाली, तमिल, तेलुगु, मराठी, गुजराती, कन्नड़, मलयालम, असमिया, ओड़िया और अनेक अन्य भाषाएं समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं की प्रतिनिधि हैं। इन भाषाओं को सीखना और संरक्षित करना सांस्कृतिक निरंतरता

को मजबूत कर सकता है, जबकि अंतरराष्ट्रीय भाषाओं का ज्ञान वैश्विक संपर्क का विस्तार कर सकता है।

विशेष रूप से युवाओं को अनेक भाषाओं में सहज होने का लाभ मिल सकता है। विद्यालयों में भाषाओं को केवल परीक्षा के विषय के रूप में देखने के बजाय कहानियों, बातचीत, साहित्य, संगीत, नाटक और व्यावहारिक गतिविधियों के माध्यम से सीखने के अवसर दिए जाने चाहिए। इससे भाषा सीखना अधिक रोचक और सार्थक बन सकता है।

नई भाषा सीखने के लिए शुरुआत से ही पूर्णता आवश्यक नहीं है। गलतियां सीखने की स्वाभाविक प्रक्रिया का हिस्सा हैं। पहला लक्ष्य संवाद करने की क्षमता विकसित करना होना चाहिए, जिसके बाद शुद्धता और आत्मविश्वास पर ध्यान दिया जा

सकता है। प्रतिदिन कुछ उपयोगी शब्द सीखना भी समय के साथ महत्वपूर्ण प्रगति ला सकता है।

अंततः, हम जितनी भाषाएं सीखते हैं, दुनिया की ओर उतनी ही नई खिड़कियां खुलती जाती हैं। प्रत्येक भाषा हमें नए लोगों, नए विचारों और नई संभावनाओं से परिचित कराती है। ऐसे समय में जब शिक्षा और तकनीक के माध्यम से दुनिया की सीमाएं लगातार जुड़ रही हैं, भाषाई क्षमता केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और शैक्षिक पूंजी का रूप भी ले रही है।

नई भाषा हमें नई आवाज, व्यापक पहचान और उन अवसरों तक पहुंच दे सकती है जो अन्यथा हमारी पहुंच से बाहर रह सकते हैं। इसलिए भाषा सीखना केवल शब्द सीखना नहीं है; यह दुनिया के लिए एक नया द्वार खोलना है।

अपर आयुक्त ने बताया डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण और केदारपुर लैंडफिल की प्रक्रिया, छात्रों को भ्रमण का दिया न्योता

एमआईटीएस में छात्रों से हुआ स्वच्छता संवाद, 650 टन कचरा निपटान की दी जानकारी

ग्वालियर जीएनएस
स्वच्छता में आमजन की सहभागिता बढ़ाने के उद्देश्य से नगर निगम ग्वालियर की ओर से एमआईटीएस कॉलेज में स्वच्छता संवाद आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्रों को शहर से प्रतिदिन निकलने वाले करीब 650 टन कचरे के संग्रहण, परिवहन और निस्तारण की प्रक्रिया की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में पूर्व विधायक रमेश अग्रवाल, नगर निगम अपर आयुक्त टी. प्रतीक राव, एमआईटीएस की उपकुलपति

डॉ. मंजरी पंडित, प्रोफेसर डॉ. आरके पंडित सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। पूर्व विधायक रमेश अग्रवाल ने कहा कि एमआईटीएस परिसर में नियमित रूप से स्वच्छता का ध्यान रखा जाता है। परिसर से प्रतिदिन कचरा एकत्र करने के लिए वाहन भेजा जाता है और एकत्र कचरा नगर निगम को सौंपा जाता है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के साथ विभिन्न गतिविधियां भी आयोजित की



जाती हैं।

अपर आयुक्त टी. प्रतीक राव ने बताया कि ग्वालियर शहर से प्रतिदिन करीब 650 टन कचरा निकलता है। नगर निगम के करीब 250 डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण

वाहन कचरे को एकत्र कर केदारपुर लैंडफिल साइट तक पहुंचाते हैं। उन्होंने बताया कि शहर की सफाई व्यवस्था में करीब तीन हजार कर्मचारी कार्यरत हैं। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन

करीब 100 से 150 टन कचरा अभी भी डोर-टू-डोर वाहनों तक नहीं पहुंचता और सड़कों पर चला जाता है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे कचरा निर्धारित वाहनों में ही दें। उन्होंने छात्रों से पूछा कि घरों से निकलने वाले कचरे का क्या होता है और उनके जवाब सुने। उन्होंने छात्रों को केदारपुर लैंडफिल साइट का भ्रमण कर कचरा निस्तारण की प्रक्रिया समझने का न्योता भी दिया। उपकुलपति डॉ. मंजरी पंडित ने कहा कि घरों में ही गीले

कचरे से खाद तैयार की जानी चाहिए। उन्होंने बताया कि वे स्वयं घर में गीले कचरे से खाद तैयार करती हैं। प्रोफेसर डॉ. आरके पंडित ने कहा कि स्वच्छता की शुरुआत स्वयं से होती है। इसके लिए प्रशासन और नगर निगम पर पूरी तरह निर्भर नहीं रहा जा सकता। एमआईटीएस परिसर में एकल उपयोग प्लास्टिक प्रतिबंधित है। परिसर से निकलने वाले गीले कचरे से खाद तैयार की जाती है और पानी के पुनर्चक्रण के प्रयास भी किए जा रहे हैं।

वन विभाग पर खेती से रोकने का आरोप, 12 बच्चों की मां ने कलेक्टर से लगाई गुहार

शिवपुरी जीएनएस
कलेक्टर में आयोजित जनसुनवाई में मंगलवार को पोहरी तहसील के ग्राम कोल्हापुर निवासी धंती आदिवासी अपनी समस्या लेकर पहुंचीं। 12 बच्चों की मां धंती ने वन विभाग के कर्मचारियों पर पट्टे की जमीन पर खेती करने से जबरन रोकने और धमकाने का आरोप लगाया। उन्होंने कलेक्टर से मामले की जांच कर न्याय दिलाने की मांग की है।

धंती आदिवासी पत्नी बावरिया ने बताया कि गांव में उनके नाम भूमि स्वामी स्वत्व की कृषि भूमि दर्ज है। जमीन सर्वे नंबर 3 और 83 में स्थित है, जिसका कुल रकबा 2.16 हेक्टेयर बताया गया है। महिला के अनुसार वह अपने परिवार के साथ लंबे समय से इसी जमीन पर खेती कर आजीविका चलाती आ रही हैं।

महिला का आरोप है कि वन विभाग के कर्मचारियों का इस जमीन पर अधिकार नहीं होने के बावजूद उन्हें खेत में काम करने से रोका जा रहा है। जब वह खेती करने के लिए खेत पर जाती हैं तो कर्मचारी डराते-धमकाते हैं। महिला का दावा है कि उसे चेतावनी दी गई है कि यदि जमीन

पर हल चलाया या खेती की तो झूठे आपराधिक मामले में फंसाकर जेल भेज दिया जाएगा। धंती ने बताया कि वह आर्थिक रूप से बेहद कमजोर हैं और खेती तथा मजदूरी ही परिवार की आजीविका का मुख्य साधन है। उन्होंने कहा कि 12 बच्चों के पालन-पोषण की जिम्मेदारी उनके ऊपर है। खेती नहीं करने देने से परिवार के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो जाएगा।

महिला ने कलेक्टर से वन विभाग के कर्मचारियों द्वारा कथित रूप से खेती से रोकने की कार्रवाई की जांच कराने और समस्या का समाधान कराने की मांग की है।

पितृपक्ष की तृतीया पर बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालु, मंत्रोच्चार के साथ निःशुल्क कराया जा रहा तर्पण

गायत्री चेतना केंद्र व प्रज्ञा पीठ में श्रद्धालुओं ने किया पितरों का तर्पण

ग्वालियर जीएनएस
पितृपक्ष के अवसर पर गायत्री चेतना केंद्र पिंठू पार्क एवं गायत्री प्रज्ञा पीठ कंभू में श्राद्ध एवं तर्पण कार्यक्रम श्रद्धा और विधि-विधान के साथ आयोजित किया जा रहा है। पितृपक्ष की तृतीया तिथि पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने अपने पितरों के निमित्त तर्पण कर श्रद्धा एवं कृतज्ञता व्यक्त की।

गायत्री चेतना केंद्र में प्रतिदिन करीब 228 श्रद्धालु तर्पण कर रहे हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए तर्पण की व्यवस्था तीन पालियों में की गई है। पहली पाली सुबह 5



बजे, दूसरी पाली सुबह 5.30 बजे और तीसरी पाली सुबह 7.30 बजे रखी गई है। वहीं गायत्री प्रज्ञा पीठ कंभू में पितृपक्ष के दौरान करीब

90 श्रद्धालु तर्पण कर रहे हैं।

दोनों स्थानों पर तर्पण की व्यवस्था पूरी तरह निःशुल्क रखी गई है। श्रद्धालुओं को विधि-

विधान और मंत्रोच्चार के साथ तर्पण कराया जा रहा है। इस दौरान श्रद्धालु अपने पितरों को श्रद्धापूर्वक स्मरण करते हुए उनकी आत्मशांति एवं सद्गति की प्रार्थना कर रहे हैं।

केंद्र के व्यवस्थापकों ने बताया कि पितृपक्ष के दौरान श्रद्धालु निर्धारित तिथियों पर गायत्री चेतना केंद्र और प्रज्ञा पीठ पहुंचकर अपने पितरों के निमित्त तर्पण कर सकते हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा और धार्मिक भावनाओं को ध्यान में रखते हुए पूरी व्यवस्था निःशुल्क रखी गई है।

जिला स्तरीय स्केटिंग प्रतियोगिता में दून पब्लिक स्कूल का शानदार प्रदर्शन

शिवपुरी जीएनएस
ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता के बाद जिला स्तरीय स्केटिंग प्रतियोगिता 2026 में भी दून पब्लिक स्कूल के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। प्रतियोगिता में विभिन्न स्कूलों के लगभग 25 से 30 स्केटर्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। दून पब्लिक स्कूल की डायरेक्टर डॉ. श्रीमती खुशी

खान एवं शाहिद खान के निर्देशन में विद्यालय के स्केटिंग कोच अमित गौर के मार्गदर्शन एवं निरीक्षण में स्कूल के खिलाड़ियों ने अपनी मेहनत, अनुशासन, आत्मविश्वास और खेल भावना का शानदार परिचय दिया। वहीं दून पब्लिक स्कूल की डायरेक्टर डॉक्टर खुशी खान ने सभी विजेता खिलाड़ियों एवं प्रतिभागियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि जो बच्चे

इस बार विजेता नहीं बन पाए, वह निराश न हों और अपनी मेहनत जारी रखते हुए अगली प्रतियोगिता में और बेहतर प्रदर्शन के साथ कमबैक करें। विद्यालय प्रबंधन ने सभी खिलाड़ियों, अभिभावकों एवं कोच को इस शानदार उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं दीं और बच्चों को भविष्य में भी इसी तरह मेहनत एवं अनुशासन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।



कचरा प्रबंधन और सफाई व्यवस्था सुधारने पर जोर, नालियों पर अस्थायी अतिक्रमण हटाने के निर्देश

रानीपुरा बस्ती में अचानक पहुंची कलेक्टर, बंद स्ट्रीट लाइटें तत्काल ठीक कराने के निर्देश

ग्वालियर जीएनएस
शहर की बस्तियों में मूलभूत सुविधाओं और सफाई व्यवस्था की हकीकत जानने कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान मंगलवार देर शाम चार शहर का नाका क्षेत्र की रानीपुरा बस्ती में अचानक पहुंचीं। उन्होंने बस्ती का भ्रमण कर स्ट्रीट लाइट, साफ-सफाई, कचरा प्रबंधन और जलभराव की स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने नगर निगम अधिकारियों को व्यवस्थाओं में सुधार के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने अपर आयुक्त नगर निगम टी प्रतीक राव से कहा कि बस्ती की सभी स्ट्रीट लाइटें चालू रहनी चाहिए। जो लाइटें बंद हैं, उन्हें तत्काल ठीक कराया जाए। उन्होंने बस्ती में विशेष सफाई अभियान चलाने और नियमित रूप से कचरा वाहन पहुंचने की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने क्षेत्रवासियों से सीधे संवाद कर सफाई सहित अन्य समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि घर

और आसपास का क्षेत्र साफ रखना केवल शासन-प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का दायित्व भी है। उन्होंने लोगों से कचरा सड़क या खुले स्थान पर नहीं फेंककर निगम की कचरा गाड़ी में डालने और पेयजल का अपव्यय रोकने की अपील की।

बस्तीवासियों ने बरसात के दौरान पानी एकत्र होने और सफाई की समस्या से कलेक्टर को अवगत कराया। इस पर उन्होंने निगम अधिकारियों को

नाली और नालों के ऊपर किए गए अस्थायी अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए, ताकि बारिश का पानी आसानी से निकल सके और जलभराव की स्थिति न बने।

बस्ती में सड़क निर्माण की मांग पर अपर आयुक्त ने बताया कि नगर निगम के माध्यम से सड़क निर्माण की फाइनल स्वीकृत हो चुकी है। शीघ्र ही सड़क निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा। निरीक्षण के दौरान नगर निगम के अधिकारी और क्षेत्रीय नागरिक मौजूद रहे।



2 से 10 तक 'सेवा मेरा योगदान' अभियान, जनभागीदारी से सेवा का बनेगा जनआंदोलन

भोपाल, जीएनएस।

गांधी जयंती से राष्ट्रसेवा और सामाजिक सहभागिता की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश में 'सेवा मेरा योगदान' अभियान का आयोजन 2 से 10 अक्टूबर तक किया जाएगा। सेवा संकल्प अभियान-2026 के अंतर्गत आयोजित इस अभियान में समाज के प्रत्येक वर्ग को सेवा कार्यों से जोड़ते हुए स्वच्छता, स्वास्थ्य, वृद्धजनों एवं अनाथ बच्चों की सेवा, नेत्र परीक्षण, दिव्यांगजन सशक्तिकरण, वृक्षारोपण, सैनिकों एवं उनके परिवारों का सम्मान तथा जरूरतमंद विद्यार्थियों की सहायता जैसी नौ गतिविधियां प्रदेश में आयोजित की जाएंगी।

अभियान का मूल उद्देश्य सेवा को केवल सरकारी कार्यक्रम तक सीमित न रखते हुए जनभागीदारी और सामाजिक जिम्मेदारी की स्थायी भावना में बदलना है। इसके लिए जिला, विकासखंड, नगरीय निकाय और ग्राम पंचायत स्तर तक विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों, विभागीय अमले और स्थानीय नागरिकों की सहभागिता से सेवा कार्यों को

व्यापक स्वरूप दिया जाएगा।

गांधी जयंती पर स्वच्छता कर्मियों का सम्मान, प्लास्टिक मुक्त परिसर का संकल्प

अभियान की शुरुआत 2 अक्टूबर को 'स्वच्छता ही सेवा' गतिविधि से होगी। स्वच्छता कर्मियों का सम्मान करने के साथ प्लास्टिक मुक्त परिसर बनाने का सामूहिक संकल्प दिलाया जाएगा। स्वच्छता जागरूकता रैली और जनसंवाद के माध्यम से गीले एवं सूखे कचरे के पृथक्करण तथा वैज्ञानिक कचरा प्रबंधन की जानकारी दी जाएगी।

जल स्रोतों, धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों, शासकीय भवनों, उद्यानों, चौराहों, विद्यालयों, बाजारों, चिकित्सालयों और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर विशेष स्वच्छता अभियान, श्रमदान तथा सामूहिक संकल्प के कार्यक्रम होंगे। प्रत्येक वार्ड और पंचायत में स्वच्छता बनाए रखने के लिए स्थानीय नागरिकों की जिम्मेदारी तय करने पर भी जोर दिया जाएगा।

स्वास्थ्य शिविरों में जांच, उपचार और योजनाओं की जानकारी

3 अक्टूबर को प्रदेश में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे। इनमें सामान्य स्वास्थ्य

जांच के साथ आवश्यक चिकित्सकीय परीक्षण और विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा परामर्श दिया जाएगा। जरूरतमंदों को आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराने के साथ गंभीर मामलों को संबंधित स्वास्थ्य संस्थानों तक पहुंचाने और आगे के उपचार के लिए मार्गदर्शन की व्यवस्था रहेगी।

स्वास्थ्य शिविरों में लोगों को पोषण, स्वस्थ जीवनशैली और रोगों से बचाव के प्रति जागरूक करने के साथ शासन की स्वास्थ्य योजनाओं और सुविधाओं की जानकारी भी दी जाएगी।

और
अनाथालयों में पहुंचेगी संवेदना

4 अक्टूबर को वृद्धाश्रमों और अनाथालयों में सेवा गतिविधियां आयोजित होंगी। वृद्धजनों से आत्मीय संवाद कर उनके अनुभव सुने जाएंगे तथा भोजन, फल और दैनिक उपयोग की आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। स्वास्थ्य जांच, चिकित्सकीय परामर्श और मनोरंजन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से वृद्धजनों के साथ अपनत्व का भाव मजबूत किया जाएगा। इसी दिन अनाथालयों में बच्चों के साथ

संवाद, भोजन एवं फल वितरण, कपड़े, जूते-चप्पल, स्टेशनरी तथा दैनिक उपयोग की सामग्री उपलब्ध कराने के साथ खेलकूद, सांस्कृतिक और रचनात्मक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। बच्चों की शिक्षा में आवश्यक सहयोग और मार्गदर्शन के लिए भी प्रयास किए जाएंगे।

नेत्र परीक्षण से दिव्यांगजन सशक्तिकरण तक सेवा का विस्तार: 6 अक्टूबर को नेत्र परीक्षण शिविर आयोजित कर विशेषज्ञ चिकित्सकों के माध्यम से दृष्टि संबंधी समस्याओं की जांच की जाएगी। जरूरतमंद लोगों को संभव होने पर निःशुल्क चश्मे उपलब्ध कराए जाएंगे तथा गंभीर मामलों को उपचार अथवा ऑपरेशन के लिए संबंधित स्वास्थ्य संस्थानों तक पहुंचाने में सहयोग किया जाएगा।

8 अक्टूबर को दिव्यांगजन सशक्तिकरण से जुड़ी गतिविधियां होंगी। दिव्यांगजनों को कौशल विकास, स्वरोजगार और रोजगार के अवसरों की जानकारी देने के साथ आवश्यक सामग्री एवं सहायक उपकरण उपलब्ध कराने में सहयोग किया जाएगा। प्रतिभावान दिव्यांगजनों का सम्मान, उनकी निर्मित सामग्री को

प्रदर्शनी और प्रेरक संवाद के माध्यम से सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा दिया जाएगा।

'एक पेड़ मां के नाम' से हरित भागीदारी को मिलेगा विस्तार 9 अक्टूबर को प्रदेश में वृहद वृक्षारोपण अभियान चलाया जाएगा। स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप पौधों का चयन कर रोपण किया जाएगा। 'एक पेड़ मां के नाम', 'एक व्यक्ति-एक पौधा' और 'एक परिवार-एक पौधा' जैसी पहल को जनभागीदारी से आगे बढ़ाया जाएगा। रोपित पौधों के संरक्षण और नियमित देखभाल की जिम्मेदारी भी सुनिश्चित की जाएगी। इसी दिन सैनिकों, पूर्व सैनिकों और उनके अभिभावकों के सम्मान के लिए कार्यक्रम होंगे। राष्ट्रसेवा में उनके योगदान और अनुभवों पर आत्मीय संवाद के साथ सैनिक परिवारों की आवश्यकताओं के अनुसार सहयोग एवं मार्गदर्शन दिया जाएगा। युवाओं में राष्ट्रसेवा, अनुशासन और कर्तव्यबोध की भावना को मजबूत करने पर विशेष जोर रहेगा।

10 अक्टूबर को जरूरतमंद विद्यार्थियों की शिक्षा में बनेगा समाज भागीदार: अभियान के अंतिम दिन 10 अक्टूबर को जरूरतमंद विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। स्कूल बैग,

पुस्तकें, कॉपियां, स्टेशनरी, यूनिफॉर्म, जूते और अन्य आवश्यक सामग्री का वितरण किया जाएगा। साथ ही सक्षम नागरिकों और सामाजिक संगठनों को जरूरतमंद विद्यार्थियों की शिक्षा में दीर्घकालीन सहयोग के लिए जोड़ा जाएगा। मेधावी और जरूरतमंद विद्यार्थियों की निरंतर शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए 'एक विद्यार्थी-एक संकल्प' पहल के माध्यम से सहयोग का संकल्प लिया जाएगा। प्रेरक संवाद और मार्गदर्शन के जरिए विद्यार्थियों में शिक्षा के प्रति उत्साह, आत्मविश्वास और आगे बढ़ने की भावना विकसित करने का प्रयास होगा।

सेवा को अभियान नहीं, सामाजिक संस्कार बनाने की पहल: 'सेवा मेरा योगदान' अभियान में विभिन्न विभागों के साथ सामाजिक संगठनों, स्थानीय संस्थाओं और नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय प्रशासन, स्वास्थ्य, सामाजिक न्याय, वन, उद्यानिकी, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, जनजातीय कार्य, पुलिस, आपदा प्रबंधन सहित संबंधित विभाग अपने-अपने स्तर पर गतिविधियों में सहयोग करेंगे।

शहर में 108 'ब्लैक स्पॉट' खत्म, कचरा ठीका हटाकर बनाई जा रही सुंदर जगहें

ग्वालियर, जीएनएस।

नगर निगम द्वारा ग्वालियर शहर को स्वच्छ, सुंदर और कचरा मुक्त बनाने के उद्देश्य से ब्लैक स्पॉट कचरा ठीका खत्म करने का अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत शहर के अलग-अलग क्षेत्रों से नगर निगम की स्वास्थ्य विभाग की टीम अब तक शहर के ऐसे 108 'ब्लैक स्पॉट' को पूरी तरह खत्म किये जा चुके हैं। नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देशन एवं अपर आयुक्त श्री टी. प्रतीक राव के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग की

टीमें सार्वजनिक स्थानों, मुख्य मार्गों और मोहल्लों में लंबे समय से जमा होने वाले कचरे के ढेरों को साफ कर रही हैं। कचरा हटाने के बाद उन स्थानों को फिर से गंदा होने से रोकने के लिए साफ-सुथरा बनाकर उनका सौंदर्यकरण किया जा रहा है।

नगर निगम प्रशासन ने नागरिकों से भी अपील की है कि वे खुले में या पुराने कचरा ढीलों पर कचरा न फेंकें, बल्कि कचरा गाड़ियों में ही कचरा दें, ताकि शहर को पूरी तरह कचरामुक्त और सुंदर बनाए रखा जा सके।

खर्चा पूरा, सुविधाएं जीरो! दिवाली से पहले अंधेरे में ग्वालियर, हादसे और अपराध का बढ़ा खतरा

ग्वालियर, जीएनएस।

ग्वालियर में स्ट्रीट लाइट की बढहाली अब सिर्फ अंधेरे की समस्या नहीं, बल्कि शहरवासियों की सुरक्षा और रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ा बड़ा सवाल बनती जा रही है। दिवाली का त्योहार सिर पर है। बाजारों में रौनक बढ़ रही है, लोग देर रात तक खरीदारी के लिए निकल रहे हैं, लेकिन शहर के कई इलाकों में शाम ढलते ही सड़कों पर अंधेरा दिखाई दे रहा है।

खास तौर पर इस पुल के

आसपास का इलाका देखिए... जहां रात के समय रोशनी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। चिंता इसलिए भी बढ़ जाती है क्योंकि बीते दिनों इसी इलाके के पास हत्या की वारदात सामने आ चुकी है।

अंधेरे में यहां से गुजरने वाले दोपहिया वाहन चालकों को सड़क और आसपास की स्थिति साफ दिखाई नहीं देती। पैदल चलने वालों, महिलाओं और देर रात काम से लौटने वाले लोगों के लिए भी यह अंधेरा परेशानी और असुरक्षा का

कारण बन रहा है। स्थानीय दुकानदारों और रहवासियों की चिंता भी यही है कि जब त्योहार के दिनों में शहर की सड़कों पर आवाजाही बढ़ेगी, तब खराब स्ट्रीट लाइट व्यवस्था दुर्घटनाओं का खतरा और बढ़ा सकती है। सवाल सिर्फ एक पुल या एक सड़क का नहीं है। ग्वालियर के कई इलाकों से स्ट्रीट लाइट खराब होने या बंद रहने की शिकायतें सामने आती रही हैं। एक तरफ शहर को रोशन करने की बातें और व्यवस्थाएं सुधारने के दावे हैं,

दूसरी तरफ जमीन पर कई जगह अंधेरा कायम है। निगमायुक्त के स्तर पर सुधार के प्रयास जारी बताए जा रहे हैं, लेकिन शहरवासियों का सवाल सीधा है—जब दिवाली में पूरा शहर रोशन होना चाहिए, तब ग्वालियर की सड़कों का अंधेरा आखिर कब दूर होगा?

क्योंकि जनता को सिर्फ आश्वासन नहीं चाहिए...

उसे सुरक्षित सड़कें, पर्याप्त रोशनी और जमीन पर दिखाई देने वाला असर चाहिए।

चेतकपुरी कॉलोनी में नक्शे से नाला गायब करने का मामला

2005 के नक्शे में था नाला, 2021 के नक्शे से हुआ गायब—जांच के बाद अधिकारियों पर कार्रवाई के आदेश

ग्वालियर, जीएनएस।

ग्वालियर के चेतकपुरी कॉलोनी में नाले को नक्शे से हटाए जाने का मामला अब कार्रवाई की ओर बढ़ता नजर आ रहा है। बताया जा रहा है कि 2005 के नक्शे में मौके पर नाला दर्ज था, लेकिन 2021 के नक्शे में नाले को गायब कर दिया गया। आरोप है कि इसके बाद इसी जमीन पर कॉलोनी विकसित करने का रास्ता साफ हुआ। मामले की जांच के लिए बीते दिनों एसीएस संजय दुबे ग्वालियर पहुंचे थे। उन्होंने मौके पर पहुंचकर स्थिति का निरीक्षण किया

और संबंधित अधिकारियों से जानकारी ली। जांच में नक्शों में हुए बदलाव का मामला सामने आने के बाद अब जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों को एक माह के भीतर कार्रवाई करने के आदेश बताए जा रहे हैं।

अब बड़ा सवाल—आखिर 2005 के नक्शे में दर्ज नाला 2021 के नक्शे से किसके आदेश पर और कैसे गायब हुआ?

क्या इस मामले में जिम्मेदार अधिकारियों के साथ अन्य लोगों की भूमिका भी सामने आएगी?

सफाई मित्रों के लिए स्वास्थ्य शिविर आयोजित

ग्वालियर। स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े के तहत सेवा सेतु अभियान के अंतर्गत सफाई मित्रों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए नगर निगम द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य एवं नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन 30 सितंबर को किया जा रहा है। नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देशानुसार नगर निगम के जून क्रमांक 05 के अंतर्गत आने वाले वार्ड 12, 16 और 17 के सफाई मित्रों के लिए यह शिविर बुधवार 30 सितंबर को कॉच मिल स्थित कम्युनिटी हॉल में लगाया जाएगा। शिविर में सफाई मित्रों के ब्लड प्रेशर, शुगर, और आंखों सहित अन्य बीमारियों की जांच की जाएगी।

वैश्विक स्वास्थ्य मंच पर भारत की आवाज बनीं डॉ. शालिनी कपूर

भोपाल, जीएनएस।

आरकेडीएफ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर की मेडिकल डायरेक्टर डॉ. शालिनी कपूर ने बैंकाक स्थित संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन केंद्र (UNCC) में आयोजित 2रे वर्ल्ड हेल्थ समिट में पैनेलिस्ट के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व किया। सस्टेनेबल डेवलपमेंट काउंसिल द्वारा आयोजित इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में "Building Resilient and Climate-Responsive Healthcare Systems" विषय पर आयोजित महत्वपूर्ण पैनेल चर्चा में डॉ. कपूर ने भाग लिया। उन्होंने जलवायु परिवर्तन और तेजी से उभरती वैश्विक स्वास्थ्य चुनौतियों के बीच स्वास्थ्य सेवाओं की अधिक मजबूत, टिकाऊ और भविष्य के अनुरूप बनाने की आवश्यकता पर अपने विचार साझा किए।

डॉ. शालिनी कपूर ने स्वास्थ्य



प्रणालियों में लचीलापन बढ़ाने, सतत विकास को स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने तथा वैश्विक सहयोग के माध्यम से नई चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करने पर जोर दिया। समिट में लगभग 60 देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन ने स्वास्थ्य सेवा और सतत विकास के क्षेत्र में विशेषज्ञों के बीच संवाद, अनुभव साझा करने और वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया। अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य मंच पर डॉ. शालिनी कपूर की सहभागिता आरकेडीएफ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, भोपाल तथा भारत के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है।

व्यावसायिक गतिविधि वाली रहवासी संपत्तियों को करें विन्हित

निगमायुक्त ने की संपत्ति कर वसूली की समीक्षा

ग्वालियर, जीएनएस।

संपत्ति कर वसूली के लक्ष्य की पूर्ति के लिए सभी कर संग्रहक जिम्मेदारी के साथ योजना बनाकर कार्य करें, हर सप्ताह कम से कम 5 करोड़ रुपये संपत्ति कर की वसूली हो तथा सभी कर संग्रहक अपने अपने वार्ड में छूटी हुई संपत्तियों की नवीन आईडी बनायें। उक्ताशय के निर्देश नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी ने सम्पत्तिकर वसूली की समीक्षा करते हुए कर संग्रहकों को दिए।

निगम मुख्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में अपर आयुक्त श्री मुनीष सिकरवार, उपायुक्त डॉ प्रदीप श्रीवास्तव, श्री उत्तम जखनिया, श्री मुकेश बंसल, श्री रजनीश गुप्ता सहित सभी राजस्व निरीक्षक एवं कर संग्रहक उपस्थित रहे।

निगमायुक्त ने निर्देश दिए कि ऐसी सम्पत्तियों का एक सप्ताह में सर्वे करें जो रहवासी में दर्ज हैं और उनमें व्यावसायिक गतिविधियां हो रही हैं, तो यह गंभीर है सभी कर संग्रहक एक सप्ताह में सर्वे कर ऐसी सम्पत्तियों को व्यावसायिक श्रेणी में दर्ज करायें और जो भी पेनल्टी बनती है वह वसूलें। बैठक में निगमायुक्त ने कहा कि सभी कर संग्रहक साप्ताहिक लक्ष्य की पूर्ति के लिए बकायेदारों की सूची बनायें एवं बड़े बकायेदारों से व्यक्तिगत बात करें और आवश्यकता हो तो वरिष्ठ अधिकारियों से बात करायें। इसके साथ ही छोटे-छोटे बकायेदारों से वसूली के लिए योजना बनाकर कार्य करें। आवश्यकता हो तो कॉलोनी, बस्ती में कैंप लगाकर सम्पत्ति कर की वसूली करें तथा पिछ्ला ज्यदा बकाया होने पर करदाता से किस्तों में भी राशि जमा करा सकते हैं।

माँ वीरांगना झलकारी बाई पार्क के सौंदर्यीकरण का रास्ता साफ

ग्वालियर, जीएनएस।
अखिल भारतीय कोरी समाज (रजि. नई दिल्ली) की युवा शाखा के जिलाध्यक्ष श्री राहुल शाक्य जी और उनकी युवा टीम के अथक प्रयासों से आकाशवाणी चौराहे स्थित 'माँ वीरांगना झलकारी बाई पार्क' के विकास का मार्ग प्रशस्त हो गया है।
पार्क के सौंदर्यीकरण के लिए 10,71,235/- रुपये का

टेंडर लग चुका है, जो 16 अक्टूबर को खुलने जा रहा है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि से कोरी समाज एवं स्थानीय नागरिकों में जबरदस्त उत्साह है।
श्री राहुल शाक्य जी की टीम का संघर्ष लाया रंग: युवा जिलाध्यक्ष श्री राहुल शाक्य जी एवं उनकी पूरी टीम ने इस कार्य के लिए लंबा संघर्ष किया। श्री राहुल शाक्य जी ने प्रभारी मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट जी को

पत्र सौंपकर माँग उठाई थी, जिसके बाद प्रभारी मंत्री जी ने कलेक्टर महोदय एवं आयुक्त महोदय को आवश्यक निर्देश दिए थे। उन्हीं प्रयासों के परिणामस्वरूप आज टेंडर प्रक्रिया पूरी होने की स्थिति में आ गई है।
तय योजना के अनुसार नवंबर के प्रथम सप्ताह में कोरी समाज के सभी सम्मानितजनों की उपस्थिति में इस कार्य का भव्य भूमि-पूजन किया जाएगा।

पार्क में होंगे ये विकास कार्य :
1. उत्कृष्ट प्रकाश व्यवस्था - पार्क में आधुनिक एवं तेज रोशनी वाली लाइटें लगाई जाएंगी, जिससे पूरा परिसर जगमगा उठेगा।
2. सुरक्षा एवं बेहतर माहौल - पर्याप्त उजाला होने से असामाजिक गतिविधियों पर रोक लगेगी, जिससे माताएँ, बहनें और परिवार के सभी सदस्य बिना

किसी संकोच के पार्क में घूमने एवं बैठने आ सकेंगे।
आभार एवं धन्यवाद ज्ञापन :
इस सौगात को दिलाने में सहयोग करने वाले सभी नेतृत्वकर्ताओं का समस्त कोरी समाज एवं श्री राहुल शाक्य जी की टीम ने आभार व्यक्त किया है -
- श्री तुलसीराम सिलावट जी - प्रभारी मंत्री

- श्रीमती रुचिका चौहान जी - कलेक्टर महोदय, ग्वालियर
- आयुक्त महोदय, नगर निगम ग्वालियर एवं पूर्व आयुक्त महोदय
- श्री सतीश सिकरवार जी - विधायक
- श्री प्रमोद खरे जी - पार्षद, वार्ड 22
- समस्त कोरी समाज के वे सभी सहयोगी जिन्होंने इस संघर्ष में योगदान दिया।

'सजी गीतों की महफिल लता जी को किया याद'

जौरा, जीएनएस।
महान गायिका लता मंगेशकर जी के जन्म दिवस के अवसर पर यहां स्थानीय कलाकारों ने लता जी के गाए गीतों की महफिल सजाते हुए उन्हें याद किया। महफिल में स्वर साधते हुए जब राजू गुप्ता ने गाया कि-तुम आ गये हो तो नूर आ गया- वहीं जब गायिका नीतू बघेल ने अपने सुर साधते हुए -कर चले हम फिदा जानो तन साथियों अब तुम्हारे हवाले वतन साथियों- गाया तो देशभक्ति की जज्बे के साथ कलाकारों के स्वागत में हाल तालियों से गूंजने लगा। इसके बाद कलाकारों को दाद देने का सिलसिला कार्यक्रम के अंत तक चलता रहा। कार्यक्रम का प्रारंभ मुख्य अतिथि महेशदत्त मिश्र पूर्व विधायक, विशिष्ट अतिथि जगदीश शुक्ला प्रदेश महासचिव ब्राह्मण अंतर्राष्ट्रीय संगठन ट्रस्ट, रविंद्र सिंह सिकरवार वरिष्ठ भाजपा नेता द्वारा मां सरस्वती, लता मंगेशकर जी गांधी आश्रम के संस्थापक डॉ एसएन सुब्बाराव, रनसिंह परमार



की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पूजा अर्चना के साथ किया गया। इस अवसर पर पूर्व विधायक मस्जिद मिश्रा ने अपने उद्बोधन में कहा कि लता जी जैसे कालजयी कलाकार सदियों की प्रतीक्षा के बाद पैदा होते हैं। यह हमारे प्रदेश का सौभाग्य है कि ऐसी प्रतिभा ने हमारे प्रदेश के इंदौर शहर में जन्म लिया। भारत रत्न लता मंगेशकर जी के जन्मदिन के अवसर पर महात्मा गांधी सेवा आश्रम जौरा के सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ग्वालियर मुरैना सहित अंचल के

गायक कलाकारों ने अपने गीतों के माध्यम से लता जी को याद किया। कार्यक्रम में प्रस्तुति देते हुए रोमेश शर्मा मुरैना, नीतू बघेल सांदीपनी विद्यालय जौरा, ईजी. दिव्या यादव गुडगांव, राधा मांझी ग्वालियर, राजबाला मुरैना, मयंक शर्मा मुरैना, राजू गुप्ता मुरैना, दिनेश उपाध्याय मुरैना, सीताराम बघेल मुरैना, एड. ए के गुप्ता ग्वालियर, विकास स्वामी जौरा, अंशिका यादव जौरा आदि प्रतिभागियों ने भाग लेकर लता जी एवं किशोर दा के गाए हुए गीतों को जीवंत कर दिया। सभी की प्रस्तुति

ने श्रोताओं का मन मोह लिया। कार्यक्रम में प्रफुल्ल श्रीवास्तव, मयूर खोले, मुनेश जाटव प्रोटोकॉल ऑफिसर, बहादुर भाई, कुलदीप तिवारी, मुद्दल संजय जादौन, भाई जी बाल मंदिर केस जिमी जॉर्ज आदि विशेष रूप से उपस्थित रहे।
कलाकारों का हुआ सम्मान कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि महेश मिश्रा पूर्व विधायक जौरा, जगदीश शुक्ला वरिष्ठ पत्रकार एवं एवं प्रदेश महासचिव ब्राह्मण अंतर्राष्ट्रीय संगठन जौरा, राहुल रविंद्र सिंह सिकरवार समाजसेवी जौरा एवं कार्यक्रम संयोजक मुन्नालाल मुद्दल जौरा के द्वारा सभी गायक कलाकारों का शॉल श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया। संगीत साधक के रूप में अंचल के जाने-माने संगीत कलाकार शिव कुमार शर्मा एवं राजेश डिघरी जी जौरा का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन कवि अखिलेश शर्मा -अखिल- के द्वारा किया गया।

आंगनबाड़ी केंद्र आदर्श नगर में हुआ आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम



ग्वालियर, जीएनएस।
प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर सेवा-संकल्प अभियान के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग की शहरी-2 परियोजना के आंगनबाड़ी केन्द्र आदर्श नगर, वार्ड क्रमांक 18 में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया।
कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री ध्यानेंद्र सिंह मामा जी, पूर्व मंत्री, श्रीमती मंजू सिकरवार, महिला मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य तथा वार्ड पार्षद श्रीमती रेखा त्रिपाठी एवं मंडल अध्यक्ष श्री जावर सिंह सहित अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं से आंगनबाड़ी केन्द्र के माध्यम से संचालित योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी ली गई। लाडली बहना योजना, लाडली लक्ष्मी योजना सहित अन्य योजनाओं के संबंध में महिलाओं एवं बच्चों की माताओं से

चर्चा की गई। इस अवसर पर श्री ध्यानेंद्र सिंह मामा जी द्वारा लाडली लक्ष्मी प्रमाण-पत्रों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में गर्भवती माताओं नेहा शर्मा, अर्पिता, शीला एवं प्रियंका की गोद भराई की रस्म श्रीमती मंजू सिकरवार एवं वार्ड पार्षद श्रीमती रेखा त्रिपाठी द्वारा कराई गई। इस दौरान गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार का सेवन करने तथा नियमित स्वास्थ्य जांच कराने की सलाह दी गई। कार्यक्रम के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती सरोज राठौर को श्रीफल एवं शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन पर्यवेक्षक श्रीमती बबिता तोमर एवं श्रीमती मेखला नावें की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर आयोजित पोषण प्रदर्शनी का पूर्व मंत्री श्री ध्यानेंद्र सिंह, श्रीमती मंजू सिकरवार, मंडल अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष तथा वार्ड पार्षद द्वारा अवलोकन किया गया।

ग्वालियर में महिला आयोग की संयुक्त बैठक में 30 प्रकरणों की सुनवाई

महिला प्रताड़ना, दहेज प्रताड़ना सहित विभिन्न मामलों में आवेदक एवं अनावेदक पक्षों की सुनी गई बात
ग्वालियर, जीएनएस।
मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग की संयुक्त बैठक का आयोजन आज ग्वालियर में किया गया। संयुक्त बैठक के समक्ष जिले से संबंधित कुल 30 प्रकरण सुनवाई के लिए प्रस्तुत किए गए।
आयोग की अध्यक्ष श्रीमती रेखा यादव, सदस्य श्रीमती साधना स्थापक एवं सचिव श्री सुरेश तोमर



ने प्रकरणों में आवेदक एवं अनावेदक दोनों पक्षों की बात सुनी। सुनवाई के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर सिंह

सहित संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देते हुए प्रकरणों में नियमानुसार उचित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

सुनवाई के दौरान प्रस्तुत प्रकरणों में महिला प्रताड़ना के 13, दहेज प्रताड़ना के 6, बलात्कार के 2, मानसिक प्रताड़ना का 1, हिंसा का 1, कार्यस्थल प्रताड़ना का 1, पारिवारिक विवाद का 1, यौन शोषण का 1 तथा अन्य 2 प्रकरण शामिल रहे। संयुक्त बैठक की सुनवाई के दौरान महिलाओं की बात संवेदनशीलता के साथ सुनी गई तथा प्रकरण में नियमानुसार आगे की कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

'अनुगूज से उद्घोष' कार्यक्रम में मूक-बधिर बच्चों को मिले अधिकार और सुरक्षा के मंत्र

ग्वालियर, जीएनएस।
मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ग्वालियर श्री ललित किशोर के मार्गदर्शन एवं उपस्थिति में नालसा शिक्षा योजना 2026 के अंतर्गत मूक-बधिर दिव्यांग बच्चों के लिए 'अनुगूज से उद्घोष' विषय पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला न्यायालय परिसर ग्वालियर में आयोजित कार्यक्रम में बच्चों को उनके कानूनी अधिकार, सुरक्षा एवं

उपलब्ध विधिक सहायता की जानकारी ऑनलाइन यूट्यूब प्रसारण के माध्यम से दी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री ललित किशोर ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सच्चा न्याय तभी सार्थक है, जब समाज के सबसे कमजोर वर्ग तक न्याय की पहुंच सुनिश्चित हो। साइन लैंग्वेज केवल एक भाषा नहीं, बल्कि बच्चों के मन और भावनाओं तक पहुंचने का महत्वपूर्ण सेतु है। कार्यक्रम में

जिला न्यायालय के न्यायाधीशगण, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री पुष्पेन्द्र सिंह, विशेष शिक्षक, साइन लैंग्वेज इंटरप्रिटर्स एवं मूक-बधिर दिव्यांग बच्चे उपस्थित रहे। ऑनलाइन कार्यक्रम के दौरान मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की सदस्य सचिव श्रीमती सुमन श्रीवास्तव ने मूक-बधिर बच्चों को उनके कानूनी अधिकारों तथा 'संकेत वाणी' ऐप के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी। इसके बाद श्री वृंजेंद्र कृष्ण दास, श्री प्रमोद नायर, श्री अक्षय सोनी एवं श्री गुरुमुख सिंह लांबा ने

विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर बच्चों को उपयोगी जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के विशेष सत्र का समापन शाम 5 बजे मुख्य न्यायाधिपति मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय एवं मुख्य संरक्षक, मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर श्री जस्टिस अल्पेश वाई. कोगजे, प्रशासनिक न्यायाधीश एवं कार्यपालक अध्यक्ष मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर श्री जस्टिस विवेक रूसिया तथा उच्च न्यायालय मध्यप्रदेश जबलपुर के न्यायाधीश श्री जस्टिस विवेक अग्रवाल की उपस्थिति में हुआ।

हिन्दी दैनिक

श्रमसाधना

आपकी दुःख की छाड़ी में

श्रमसाधना सदैव आपके साथ है

उठावनी/रस्म पगड़ी का प्रकाशन निःशुल्क

सम्पर्क करें

ग्वालियर शिवपुरी

☎ 0751-2625029 ☎ 07492-232149

☎ 9074257600 ☎ 8251071286

E-mail : shramsadhnagwl@gmail.com

नर्सिंग विद्यार्थियों ने उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल का जताया आभार

सरकार विद्यार्थियों के हितों एवं उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

भोपाल, जीएनएस।

नर्सिंग विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम घोषित होने से प्रदेश के हजारों विद्यार्थियों को बड़ी राहत मिली है। परिणाम जारी होने से विद्यार्थियों की आगे की पढ़ाई, उच्च कक्षाओं में प्रवेश एवं करियर से जुड़ी बाधाओं का समाधान हुआ है। परीक्षा परिणाम घोषित होने पर नर्सिंग विद्यार्थियों एवं विभिन्न प्रतिनिधियों ने आज भोपाल स्थित उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल के निवास कार्यालय में भेंट कर उनका आभार व्यक्त किया।



उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने परीक्षा परिणाम घोषित होने पर सभी विद्यार्थियों को हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने विद्यार्थियों के

हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए न्यायालय के समक्ष छात्र हित का पक्ष मजबूती से रखा। न्यायालय के आदेश के परिपालन में परीक्षा परिणाम घोषित किए गए

हैं। सरकार विद्यार्थियों के हितों एवं उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और आगे भी आवश्यक कदम उठाती रहेगी। विद्यार्थियों एवं प्रतिनिधियों ने कहा कि परीक्षा परिणाम घोषित होने से विद्यार्थियों को बड़ी राहत मिली है और उनकी आगे की शिक्षा एवं करियर का मार्ग प्रशस्त हुआ है। विद्यार्थियों एवं प्रतिनिधियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया तथा छात्र हित में किए गए प्रयासों के लिए कृतज्ञता व्यक्त की।

गंजरामपुर गांव में गौवंश पर धारदार हथियार से हमला, गौसेवकों ने कड़ी मशकत कर किया उपचार

मुरैना, जीएनएस।

स्टेशन थाना रोड क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम गंजरामपुर में एक गौवंश के साथ क्रूरता का मामला सामने आया है। अज्ञात व्यक्ति द्वारा गौवंश पर धारदार हथियार से हमला किए जाने के कारण उसके शरीर के पिछले हिस्से में गंभीर घाव हो गया। घाव गहरा होने के कारण उसमें कीड़े पड़ गए थे तथा लगातार रक्तस्राव होने से गौवंश अत्यंत पीड़ा में था।

घटना की सूचना मिलते ही गौसेवक रुद्रप्रताप सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। वहां पहुंचकर देखा कि गौवंश का

पिछला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त था, घाव में बड़ी संख्या में कीड़े पड़ चुके थे तथा दुर्गंध के कारण आसपास के लोग परेशान थे। कुछ लोग स्थिति से अनजान होकर घायल गौवंश को वहां से भगाने का प्रयास भी कर रहे थे।

इसके बाद गांव के जागरूक एवं संवेदनशील नागरिकों के सहयोग से गौसेवकों ने काफी मशकत कर घायल गौवंश को सुरक्षित पकड़ा। उपचार के दौरान घाव की सफाई की गई, कीड़े निकाले गए तथा आवश्यक दवाइयों का प्रयोग कर प्राथमिक उपचार प्रदान किया गया।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती पर दो दिवसीय आयोजन 1 व 2 अक्टूबर को

ग्वालियर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी एवम् लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती के पावन अवसर पर एसोसिएशन ऑफ ग्वालियर यूथ सोसायटी द्वारा स्वच्छता ही सेवा - आओ मिलकर बापू के सपनों को साकार करें- थीम पर विशेष दो दिवसीय आयोजन किया जा रहा है। संस्था के अध्यक्ष संजय कट्टल ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य नई पीढ़ी को बापू के स्वच्छता, सत्य और अहिंसा के विचारों से जोड़ना है। यह आयोजन पूर्णतः निःशुल्क रखा गया है।

1 अक्टूबर - चित्रांकन प्रतियोगिता 7 समय- सुबह 9 बजे

से
- वर्ग अ (5-8 साल) = विषय - अपना मनपसंद कुछ भी
- वर्ग ब (9-14 साल) = विषय - स्वच्छ भारत
- वर्ग स (15 साल से ऊपर) = विषय - स्वच्छ भारत
2 अक्टूबर - फैसी ड्रेस प्रतियोगिता 7 समय- सुबह 10 बजे से
- आयु वर्ग 4-14 साल = विषय - महापुरुष
आयोजन की विशेषताएं-
1. इस आयोजन में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भेंट किया जायेगा।

2. आयोजन में विजेता एवं उप विजेता टीम को आकर्षक पुरस्कारों से पुरस्कृत किया जाएगा।
3. चित्रांकन प्रतियोगिता के लिए डाइंग शीट प्रतियोगिता स्थल पर निःशुल्क वितरित की जायेगी।
ग्वालियर के सभी स्कूलों एवं अभिभावकों से अपील है कि अधिक से अधिक संख्या में बच्चों को इस रचनात्मक आयोजन में भागीदारी कराएं। संस्था के डॉक्टर मनीष रस्तोगी धीरज गोयल अशोक जैन राजेश त्रिपाठी मुकेश गुप्ता जी ने बच्चों से एवम् अभिभावकों से आयोजन का लाभ उठाने का आग्रह किया है।



अन्याय के खिलाफ न्याय की लड़ाई में मिला विधायक साहब सिंह गुर्जर का साथ

डबरा विकास संघर्ष समिति के धरने पर पहुंचे ग्वालियर ग्रामीण विधायक साहब सिंह गुर्जर ने धरना स्थल पर बैठकर संघर्ष कर रहे साथियों का हौसला बढ़ाया और डबरा के विकास की मांगों के प्रति अपना समर्थन जताया। विधायक के धरना स्थल पर पहुंचने से आंदोलनकारियों में उत्साह नजर आया। समिति का कहना है कि संघर्ष डबरा के विकास और जनहित के मुद्दों को लेकर है और जब तक मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं होती, आंदोलन जारी रहेगा।



लहार एसडीओपी ने रावतपुरा थाने का किया औचक निरीक्षण

लहार एसडीओपी श्री प्रवीण त्रिपाठी ने थाना रावतपुरा का औचक निरीक्षण कर थाने की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने थाने का रिकॉर्ड एवं विभिन्न दस्तावेज चेक किए। निरीक्षण के दौरान एसडीओपी ने थाना प्रभारी परशुराम अहिरवार को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने थाना स्तर की व्यवस्थाओं, लंबित प्रकरणों एवं रिकॉर्ड संधारण की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

सड़क दुर्घटना में दो युवक घायल गंभीर स्थिति पर एक युवक घायल को जिला अस्पताल किया रिफर

जालौन, जीएनएस।

35 वर्षीय छोटेलाल पुत्र राधेलाल निवासी लमसर 25 वर्षीय पंकज पुत्र रमेश निवासी देवकली समेत दोनों लोग सोमवार की रात अलग-अलग जगह सड़क पर अपने निज निवास जा रहे थे वही अज्ञात बाहन की टक्कर से सड़क में अलग-अलग जगह घायल हुए घटना की सूचना पाकर पहुंची एंबुलेंस के कर्मियों ने अलग-अलग जगह सड़क पर पड़े घायल

अवस्था में युवकों को अलग समय में उठाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालपी में इलाज हेतु भरती कराया अस्पताल में मौजूद चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर आदर्श गौतम ने घायल युवकों की अलग-अलग समय में जांच की जांच दौरान गंभीर स्थिति पाए जाने पर एक युवक पंकज घायल को जिला अस्पताल उर्ई रिफर किया वहीं शेष घायल युवक का स्वास्थ्य टीम लगाकर इलाज शुरू किया।

थाना धीरपुरा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, अवैध हथियार निर्माण फैक्ट्री का भंडाफोड़; भारी मात्रा में हथियार और सामग्री जब्त

दतिया, जीएनएस।

पुलिस अधीक्षक मयूर खण्डेवाल के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मंजीत सिंह चावला और एसडीओपी आकांक्षा जैन के मार्गदर्शन में थाना धीरपुरा पुलिस ने अवैध हथियारों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एक बड़ी सफलता हासिल की है। दिनांक 28/09/2026 को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम लेंटरा हार में बने एक घर और झोपड़ी में

अवैध रूप से हथियारों का निर्माण किया जा रहा है। इस सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी। पुलिस को देखकर आरोपी मनोज यादव पुत्र दयाल यादव (निवासी लेंटरा) मौके से भागने में सफल हो गया।

तलाशी के दौरान पुलिस ने मौके से भारी मात्रा में अवैध हथियार और निर्माण सामग्री बरामद की।

?बरामद मुख्य सामग्री एवं हथियार-

?बन्दूकें व कट्टे- 01 दुनाली बंदूक (12 बोर), 02 देशी अधिया (315 बोर), 01 अन्य अधिया और 02 कट्टे अधबने (315 बोर)।
?कारतूस- 315 बोर के 36 राउंड तथा 12 बोर के कुल 59 राउंड।

उपकरण- 02 ग्राइंडर मशीन, 01 ड्रिल मशीन, 01 वेल्डिंग मशीन, भट्टी जलाने का पंखा, प्लास, हथौड़े, रेती, छेनी, निहाई और गैस सिलेंडर सहित अन्य निर्माण उपकरण व

कोयला।

?आरोपी मनोज यादव के विरुद्ध आर्म्स एक्ट की धारा 25(1)(डू), 25(1)(डू) एवं 27 के तहत मामला दर्ज कर दिनांक 29/09/2026 को उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस हथियार के स्रोतों और अन्य संभावित उपयोग के संबंध में पूछताछ कर रही है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी धीरपुरा उनि अमर सिंह गुर्जर सहित पूरी पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका रही।

थाना गिजोरा पुलिस की त्वरित कार्यवाही : स्वयं के अपहरण की झूठी कहानी रचकर परिजनों से 05 लाख रुपये की फिरौती मांगने वाले युवक को पुलिस ने शिवपुरी से किया दस्तयाब

ग्वालियर, जीएनएस।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री धर्मवीर सिंह(भापुसे) के निर्देशानुसार ग्वालियर जिले में गुमशुदा बालक-बालिकाओं तथा गुमशुदा की दस्तयाबी हेतु प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। उक्त निर्देशों के परिपालन में अति. पुलिस अधीक्षक(ग्रामीण) ग्वालियर श्री जयराज कुबेर द्वारा अपने अधीनस्थ सभी थाना प्रभारियों को थाना क्षेत्र से गुमशुदा बालक-बालिकाओं की दस्तयाबी हेतु टीम बनाकर प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। घटना का संक्षिप्त विवरण:-

फरियादी भूरा सिंह बघेल निवासी ग्राम गिजोरा ने थाना गिजोरा में रिपोर्ट लेख कराई कि दिनांक 28.09.2026 की सुबह उसका भतीजा राहुल बघेल अपने कान का इलाज कराने के लिए मोटरसाइकिल से ग्वालियर गया था शाम को मैने उसको फोन लगाया तो उसका फोन बंद आ रहा था और वह अभी तक वह घर वापस नहीं आया है। तभी से उसका फोन बन्द है। मुझे शक है कि उसका किसी अज्ञात व्यक्ति ने अपहरण कर लिया है। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना गिजोरा में अप0क्र0 124/26 धारा 140(3)

बीएनएस का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

उक्त युवक के गायब होने की सूचना प्राप्त होने पर एसडीओपी डबरा श्री सौरभ कुमार के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी गिजोरा उप निरीक्षक उपेन्द्र सिंह धाकड़ के द्वारा थाना बल की टीम को उक्त प्रकरण में अपहृत युवक को दस्तयाब करने हेतु लगाया गया। थाना गिजोरा पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए युवक की आसपास के क्षेत्र में तलाश की गई और तकनीकी सेल व मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया।

दौराने विवेचना थाना गिजोरा पुलिस को जानकारी प्राप्त हुई कि उक्त गुमशुदा युवक द्वारा ही अपने घरवालों को मोबाइल से व्हाट्सएप के माध्यम से 05 लाख रुपये की फिरौती की मांग की गई है। जांच के दौरान यह भी ज्ञात हुआ कि उक्त युवक द्वारा बैंक से लोन पर मोटरसाइकिल खरीदी थी और उसके चाचा द्वारा मोटर साइकिल को गिरवी रखी दिया था। युवक द्वारा बैंक की लोन किस्त न चुकाने पर बैंक द्वारा उसके खिलाफ प्रकरण भी पंजीबद्ध कराया गया था, जिसमें माननीय न्यायालय से युवक का

स्थाई वारंट भी जारी हुआ था और उसे गिजोरा पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था।

दिनांक 29.09.2026 को तकनीकी सहायता के माध्यम से उक्त गुमशुदा युवक के पोहरी जिला शिवपुरी में होना ज्ञात हुआ। जिसके आधार पर पुलिस टीम द्वारा थाना पिछोर पुलिस एवं शिवपुरी में पोहरी पुलिस की सहायता से उक्त गुमशुदा युवक को पोहरी शिवपुरी से दस्तयाब किया गया। दस्तयाब युवक से पूछताछ करने पर उसके द्वारा अपने दोस्त अजय यादव के ट्रक से पोहरी जिला शिवपुरी भाग

जाना तथा स्वयं के अपहरण की झूठी कहानी रचना बताया।

सराहनीय भूमिका- थाना प्रभारी गिजोरा उप निरी. उपेन्द्र सिंह धाकड़, प्र.आर0 मुकेश, जयभारत, आर0 मनोज, जितेन्द्र, सत्यम, पवन, धर्मवीर, थाना पिछोर टीम- थाना प्रभारी पिछोर उनि0 शिवम राजावत, आर0 भानू, सायबर सेल टीम प्रभारी सायवर सेल उनि0 रजनी रघुवंशी, उनि0 विश्वर जाट, आर0 सोनू प्रजापति, विपिन, थाना पोहरी टीम- थाना प्रभारी पोहरी निरी0 रवि चौहान, आर0 मांगीलाल गुर्जर की सराहनीय भूमिका रही।

पाँच और जरूरतमंद महिलाओं ने शक्ति दीदी बनकर थामा आत्मनिर्भरता का हाथ

ग्वालियर, जीएनएस।
कभी रोजगार की तलाश में घर की चौखट तक सीमित रहने वाली अपनों से उपेक्षित और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की जरूरतमंद महिलाएं पेट्रोल पंपों पर सफलतापूर्वक फ्यूल डिलीवरी की जिम्मेदारी संभाल रहीं हैं। इन महिलाओं के हाथ सिर्फ वाहनों में ईंधन ही नहीं भर रहे, बल्कि मान-सम्मान व आत्मविश्वास के साथ अपने और

परिवारजनों के जीवन में सम्मान और आत्मनिर्भरता की नई ऊर्जा भी भर रहे हैं। ग्वालियर जिले में 'शक्ति दीदी' के रूप में हुआ नवाचार महिला सशक्तिकरण की प्रेरक मिसाल बन गया है। बुधवार को जिले की 5 और जरूरतमंद महिलाएं शक्ति दीदी बनीं। जिले में अब 132 महिलाएं सफलतापूर्वक शक्ति दीदी के रूप में फ्यूल डिलीवरी वर्कर की जिम्मेदारी संभाल रही



हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप कलेक्टर श्रीमती

रुचिका चौहान ने शक्ति दीदी नवाचार किया है। यह नवाचार

जरूरतमंद महिलाओं को केवल रोजगार देने के लिए ही नहीं, उन्हें समाज में सम्मान के साथ अपने पैरों पर खड़ा करने के उद्देश्य से किया गया है।

'शक्ति दीदी' बनकर महिलाएं स्वयं की पहचान तो बना ही रही हैं, साथ ही परिवार की आर्थिक मजबूती में भी सहभागी बनीं हैं। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने बुधवार को कामतानाथ फिलिंग

स्टेशन, बड़ागांव पर सुश्री राधा कुशवाह व सुश्री वर्षा वर्मा को शक्ति दीदी की जिम्मेदारी सौंपी। इसी तरह साईं हरीलीला, डीबी सिटी के सामने सुश्री फूलनदेवी को, सुविधा फ्यूल्स कम्पू पर सुश्री सीमा यादव को एवं सेठ रतिलाल बेचारदास, फूलबाग पर सुश्री गायत्री शाक्य को शक्ति दीदी के रूप में फ्यूल डिलीवरी वर्कर की जिम्मेदारी दी गई है।

पीएम आवास योजना का निगमायुक्त ने किया निरीक्षण

ग्वालियर, जीएनएस।
नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सिरोल में बनाए गए आवासों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्य को तेज गति से पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने हरावली एवं मानपुर में प्रस्तावित योजना के भूमि का निरीक्षण किया। इस अवसर पर आयुक्त श्री प्रदीप तोमर कार्यपालन यंत्री श्री पवन शर्मा, नोडल अधिकारी पीएम आवास श्री मनीष यादव उपस्थित रहे।

नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी ने सिरोल में बनाई गई पीएम आवास योजना के तहत बनाए गए आवासों का निरीक्षण

किया। इस दौरान उन्होंने बिजली कनेक्शन आदि के कार्यों की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने निर्देश दिए हैं कि 15 दिन के अंदर बिजली के कनेक्शन कर दिए जाएं। इसके साथ ही उन्होंने आवासों में चल रहे कार्यों के बारे में जानकारी ली और निर्देश दिए कि जल्द से जल्द कार्य पूर्ण कर हितग्राहियों को आवंटित करने के निर्देश दिए। इसके बाद हरावली पर आवंटित जमीन का निरीक्षण किया, साथ ही वहां पर आगे की कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके बाद निगमायुक्त ने मानपुर में बनने वाली पीएम आवास योजना के फेज 2 के लिए आवंटित जमीन का निरीक्षण किया। साथ ही मानपुर पहाड़ी पर 15000 पौधों के रोपण

मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से जिले के 4 मरीजों को गंभीर बीमारियों के इलाज हेतु 2.20 लाख रुपये की सहायता

शिवपुरी, जीएनएस।

मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से वित्तीय वर्ष 2026-27 में शिवपुरी जिले के 4 जरूरतमंद मरीजों को गंभीर बीमारियों के उपचार हेतु कुल 2 लाख 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि प्रदान की गई है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के आदेशानुसार संबंधितों को भुगतान कर दिया गया है। इसके तहत तहसील नरवर के ग्राम नानकपुर निवासी श्री मास्टर निमेश बघेल पिता श्री नवाब सिंह बघेल को इलाज हेतु 45 हजार रुपये की सहायता दी गई है। शिवपुरी शहर के फतेहपुर रोड आजाद नगर निवासी सुश्री साधना आर्य पिता सालिगराम आर्य को उपचार हेतु 50 हजार रुपये, तहसील शिवपुरी के ग्राम सिकरवाडा निवासी श्री रामहेत शर्मा पिता दीनदयाल शर्मा को गंभीर हृदय रोग के उपचार हेतु 75 हजार रुपये की राशि दी गई है। तहसील कोलारस के ग्राम अनंतपुर निवासी महेन्द्र सिंह रघुवंशी पिता श्री ऊधम सिंह को बीमारी के उपचार हेतु 50 हजार रुपये की राशि प्रदान की गई है।

इन्सपायर अवार्ड मानक योजना के शेष विद्यालय 05 विद्यार्थियों के कराएं रजिस्ट्रेशन: डीआईओएस

फिरोजाबाद, जीएनएस।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग भारत सरकार, राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान भारत सरकार एवं स्टार्टअप इण्डिया के तत्वाधान में आयोजित इन्सपायर अवार्ड मानक योजना में नामांकन जिला विद्यालय निरीक्षक फिरोजाबाद श्रीमती मुदिता पाण्डेय, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार एवं जिला सह नोडल अधिकारी अश्वनी कुमार जैन के संयोजन में किए जा रहे हैं।

डीआईओएस श्रीमती मुदिता पाण्डेय ने जनपद के सभी बोर्डों के इन्सपायर अवार्ड मानक योजना के शेष विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को निर्देशित किया कि वे अपने विद्यालयों के कक्षा 6 से 12 तक के 05 विद्यार्थियों के नामांकन अनिवार्य रूप से कराना सुनिश्चित करें। कक्षा 11 एवं 12 के विज्ञान वर्ग के केवल दो विद्यार्थी नामांकित हो सकते हैं। इसके साथ ही

बीएसए अनिल कुमार ने नामांकन से शेष जनपद के जूनियर हाईस्कूल एवं कम्पोजिट विद्यालय के प्रधानाध्यापकों को निर्देशित किया है कि अपने विद्यालय के कक्षा 6 से 8 तक के 05 विद्यार्थियों के नामांकन कराना सुनिश्चित करें। इन्सपायर अवार्ड मानक योजना के जिला सह नोडल अधिकारी अश्वनी कुमार जैन ने बताया कि इन्सपायर अवार्ड मानक योजना में नामांकन के लिए किसी भी बोर्ड के विद्यालय, बेसिक के उच्च प्राथमिक विद्यालय अपनी इन्सपायर अवार्ड मानक योजना के पोर्टल पर अपनी स्कूल आईडी से लॉगिन कर सकते हैं। इसमें नामांकन कराने वाले विद्यार्थियों के नाम पर बैंक का खाता होना चाहिए। प्रथम स्तर पर जनपद स्तर की प्रदर्शनी के लिए चयन होने पर प्रत्येक विद्यार्थी को 10 हजार रुपये की धनराशि उस विद्यार्थी के खाते में भारत सरकार द्वारा भेजी जाती है।

तिघरा क्षेत्र से गर्भवती महिला का बंदूक की नोक पर अपहरण मामले में फरार दस हजार के इनामी आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

ग्वालियर। वरिष्ठ पुलिस

अधीक्षक ग्वालियर श्री धर्मवीर सिंह(भापुसे) के निर्देश पर ग्वालियर जिले के थानों में विभिन्न लंबित अपराधों में फरार आरोपियों की धरपकड़ हेतु प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। उक्त कार्यवाही के अनुक्रम में अति. पुलिस अधीक्षक(मध्य/यातायात) श्री सुजावल जग्गा(भापुसे) द्वारा थाना तिघरा के अप.क्र. 61/25 में फरार शेष आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार करने हेतु निर्देशित किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार सीएसपी ग्वालियर श्री कृष्ण पाल सिंह के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी तिघरा निरीक्षक शिवराम सिंह कंसाना के नेतृत्व में पुलिस की टीम द्वारा उक्त प्रकरण में फरार शेष आरोपियों की तलाश उनके छिपने के संभावित ठिकानों पर की गई। दिनांक 29.09.2026 को थाना तिघरा पुलिस को जरिए मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि उक्त प्रकरण का एक फरार 10 हजार का इनामी आरोपी प्रदीप गुर्जर, शीतला माता मंदिर के नीचे ग्राम कैथा के पास घटिया के ऊपर खड़ा हुआ है। उक्त सूचना पर पुलिस टीम मुखबिर के बताये स्थान पर पहुंची तो एक व्यक्ति पुलिस को देखकर मौके से भागने लगा जिसे घेराबंदी कर पकड़ा और नाम व पता पूछा तो उसने अपना नाम प्रदीप सिंह गुर्जर पुत्र सुल्तान सिंह उम्र 33 साल निवासी ग्राम तोर जिला मुरैना बताया।

पुलिस प्रशासन की लापरवाही से अपराधियों के हौसले बुलंद खनियाधाना में दिनदहाड़े नगर परिषद अध्यक्ष के पति पर फायरिंग

शिवपुरी, जीएनएस।

बेखौफ अपराधियों के बुलंद हौसलों और पुलिस प्रशासन की लचर व्यवस्था की पोल खोलती एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। बुधवार को खनियाधाना के मुख्य बाजार में दिनदहाड़े बदमाशों ने दुस्साहस का परिचय देते हुए नगर परिषद अध्यक्ष के पति सतेंद्र साहू पर जानलेवा हमला कर दिया। बस स्टैंड जैसे व्यस्त

इलाके में हुई इस फायरिंग की घटना से पूरे बाजार में अफरा-तफरी मच गई और भगदड़ की स्थिति बन गई। नगर परिषद अध्यक्ष के पति सतेंद्र साहू बुधवार को अपने घर से दुकान की ओर जा रहे थे। जैसे ही वे बस स्टैंड के पास पहुंचे, घात लगाए बैठे हथियारबंद बदमाशों ने उन पर सीधे फायर झोंक दिया। अचानक हुई गोलीबारी से आसपास के

व्यापारी और राहगीर सहम गए। गोली चलाने के बाद आरोपी मौके से भागने लगे, लेकिन मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने अदम्य साहस का परिचय दिया। भीड़ ने भाग रहे बदमाशों का पीछा कर दो आरोपियों को मौके पर ही दबोच लिया और उनकी जमकर पिटाई कर दी। हालांकि, इस दौरान उनके 3 अन्य साथी मौका पाकर फरार होने में कामयाब रहे।

कार्यालय कलेक्टर, (खनिज शाखा) जिला शिवपुरी (म.प्र.)

E-mail modgmshi@mp.gov.in

पत्र क्रमांक 1958/3-6/खनिज/क्यू.एल. 608/2026

शिवपुरी, दिनांक 28.09.2026

म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 18(1-क) (दो) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा/पूर्वक्षेत्र अनुज्ञप्ति (जो भी लागू हो) प्राप्त करने के लिए, **प्रथम सूचना**

यह सूचित किया जाता है कि आवेदक सांवलिया स्टोन क्रेशर पार्टनर श्री जूली जैन पत्नी श्री आनंद जैन निवासी वार्ड नं.5, रैन बसेरा गांधी रोड, करैरा, तहसील करैरा जिला शिवपुरी म.प्र. द्वारा जिला शिवपुरी की तहसील खनियाधाना के ग्राम हर्षपुरा गूडर की शासकीय भूमि सर्वे नम्बर 1029 रकबा 4.00 हैक्टेयर क्षेत्र पर गिट्टी, एम सैण्ड खनिज का उत्खनिपट्टा हेतु आवेदन पत्र दिनांक 25/09/2026 प्रस्तुत किया गया। उपरोक्त (शासकीय भूमि) के निम्नानुसार क्षेत्र पर उत्खनिपट्टा प्राप्त करने एवं दावा/आपत्ति हेतु दिनांक 27/10/2026 तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपट्टा आवेदन प्रस्तुत पत्र ऑनलाईन आमंत्रित किये जाते हैं। आवेदन ई-खनिज पोर्टल <https://ekhanij.mp.gov.in> पर प्रस्तुत किए जाएंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम/कस्बा	सर्वे क्रमांक	कुल रकबा है. में	आवेदित रकबा है. में	भूमि का प्रकार शासकीय/निजी	खनिज का नाम	रिमार्क
शिवपुरी	खनियाधाना	हर्षपुरा गूडर	1029	11.55	4.00	शासकीय	गिट्टी, एम. सैण्ड	

- उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के सम्बन्ध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन समय सायं 5:30 बजे तक) ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।
- यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
- यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन प्राप्त होते हैं तो पुनः 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करने हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जायेगी। विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस के भीतर अन्य आवेदक भी उपरोक्त आवेदित क्षेत्र पर आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकेंगे। उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
- यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनिज रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा।
- निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

G-19247/26

खनि अधिकारी
जिला शिवपुरी (म.प्र.)

नाम परिवर्तन सूचना	
मेरा सही नाम नीलम सुखवानी (NEELAM SUKHWANI) है, यही नाम मेरे पैनकार्ड, पुराने आधारकार्ड आदि में दर्ज है, जबकि आधार कार्ड अपडेट करते समय त्रुटिवश उसमें मेरा नाम हर्षा दुसेजा (HARSHA DUSEJA) दर्ज हो गया है। नीलम सुखवानी (NEELAM SUKHWANI) और हर्षा दुसेजा (HARSHA DUSEJA) दोनों नाम मुझ एक ही महिला के हैं। अतः प्रकाशन उपरांत मेरे आधार कार्ड, पैनकार्ड एवं समस्त शासकीय/अशासकीय दस्तावेजों में मेरा नाम हर्षा दुसेजा (HARSHA DUSEJA) के स्थान पर मेरा सही नाम नीलम सुखवानी (NEELAM SUKHWANI) पढ़ा लिखा व दर्ज किया जावे।	
पुराना नाम : हर्षा दुसेजा (HARSHA DUSEJA)	नया नाम : नीलम सुखवानी (NEELAM SUKHWANI) पत्नी श्री अमर प्रकाश दुसेजा (HARSHA DUSEJA) निवासी - बी-121, समाधिया कॉलोनी, ग्वालियर (म.प्र.)

नाम परिवर्तन सूचना	
मेरी पुत्री का सही नाम हेमलता आदिवासी (HEMLATA ADIWASI) है जो कि उसके लाडली लक्ष्मी, जन्म प्रमाण पत्र आदि दस्तावेजों में दर्ज है। जबकि उसके आधारकार्ड, शैक्षणिक दस्तावेज आदि में उसका नाम शिवानी आदिवासी (SHIVANI ADIWASI) दर्ज है। हेमलता आदिवासी (HEMLATA ADIWASI) और शिवानी आदिवासी (SHIVANI ADIWASI) दोनों का नाम मेरी एक ही पुत्री के हैं। अतः सूचना प्रकाशन के उपरांत मेरी पुत्री के आधार कार्ड, शैक्षणिक दस्तावेज एवं समस्त शासकीय/अशासकीय दस्तावेजों में उसका नाम शिवानी आदिवासी (SHIVANI ADIWASI) के स्थान पर उसका सही नाम हेमलता आदिवासी (HEMLATA ADIWASI) पुत्री रेखा की पढ़ा, लिखा व दर्ज किया जावे।	
आवेदिका : रेखा पत्नी स्व. रामू निवासी : वार्ड नं. 17, ग्राम दोरार, ग्वालियर (म.प्र.)	

नाम परिवर्तन सूचना	
मेरा सही नाम रामरती (RAMRATI) है, यही नाम मेरे पैनकार्ड आदि में दर्ज है, जबकि आधार कार्ड में त्रुटिवश मेरा नाम फुलवा (PHULVA) दर्ज हो गया है। रामरती (RAMRATI) और फुलवा (PHULVA) दोनों नाम मुझ एक ही महिला के हैं। अतः प्रकाशन उपरांत मेरे आधार कार्ड एवं समस्त शासकीय/अशासकीय दस्तावेजों में मेरा नाम फुलवा (PHULVA) के स्थान पर मेरा सही नाम रामरती (RAMRATI) पढ़ा लिखा व दर्ज किया जावे।	
पुराना नाम : फुलवा (PHULVA)	नया नाम : रामरती (RAMRATI) पत्नी श्री राम मिलन निवासी - एच. एन. 221, ग्राम धनहरा, पोस्ट व तहसील माड़ा, छत्तौली, जिला सिंगरौली (म.प्र.)

नाम परिवर्तन सूचना	
मेरा सही नाम बृम्हा (BRAMHA) है, यही नाम मेरे वोटर कार्ड आदि में दर्ज है, जबकि मेरे आधार कार्ड, पैनकार्ड आदि में त्रुटिवश मेरा नाम विनीता (VINEETA) दर्ज हो गया है। बृम्हा (BRAMHA) और विनीता (VINEETA) दोनों नाम मुझ एक ही महिला के हैं। अतः प्रकाशन उपरांत मेरे आधार कार्ड, पैनकार्ड एवं समस्त शासकीय/अशासकीय दस्तावेजों में मेरा नाम विनीता (VINEETA) के स्थान पर मेरा सही नाम बृम्हा (BRAMHA) पढ़ा लिखा व दर्ज किया जावे।	
पुराना नाम : विनीता (VINEETA)	नया नाम : बृम्हा (BRAMHA) पत्नी श्री अपून कुमार निवासी - कंधी वाला मोहल्ला, डॉ. शाहनी के पास, उदार खाना, फर्श वाली गली, माधवगंज, लक्षर, ग्वालियर (म.प्र.)

नाम परिवर्तन सूचना	
मेरा सही नाम TEJABAHADUR SINGH है यही नाम मेरे पैनकार्ड आदि में दर्ज है। जबकि आधार कार्ड में त्रुटिवश मेरा नाम TAULAN SINGH दर्ज हो गया है। TEJABAHADUR SINGH और TAULAN SINGH दोनों नाम मुझ एक ही व्यक्ति के हैं। अतः इस सूचना प्रकाशन उपरांत मेरे आधार कार्ड एवं समस्त शासकीय/अशासकीय दस्तावेजों में मेरा नाम TAULAN SINGH के स्थान पर TEJABAHADUR SINGH पढ़ा लिखा व दर्ज किया जावे।	
पुराना नाम : TAULAN SINGH	नया नाम : TEJABAHADUR SINGH S/o, HEERA SINGH निवासी - नजदीक रोड, ग्राम चक्की पोस्ट चटनिहा तहसील देवशर, खंडोली, जिला सिंगरौली (म.प्र.)

एनएसएस शिविर में संस्कार, युवा शक्ति और साइबर सुरक्षा पर हुआ मार्गदर्शन

भारत को समझना है तो विवेकानंद को पढ़ें : खेमरिया

ग्वालियर जीएनएस

जीवाजी विश्वविद्यालय में आयोजित विश्वविद्यालय स्तरीय राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) नेतृत्व एवं प्रशिक्षण शिविर के चतुर्थ दिवस स्वयंसेवकों को संस्कार, परोपकार, युवा शक्ति और साइबर सुरक्षा जैसे विषयों पर विशेषज्ञों ने मार्गदर्शन दिया। दिवस की शुरुआत प्रभात फेरी, योग-पीटी और परिसर में मानव श्रृंखला बनाकर चलाए गए स्वच्छता अभियान से हुई।

विवेकानंद के विचारों से समझें भारत : मुख्य अतिथि आयुक्त अजय खेमरिया ने कहा कि भारत के वास्तविक मर्म और



चेतना को समझने के लिए स्वामी विवेकानंद के विचारों का अध्ययन जरूरी है। उन्होंने स्वयंसेवकों को प्रसिद्ध लेखक नरेंद्र कोहली की पुस्तकों के पठन के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आने वाला समय मशीन और

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का है। ऐसे दौर में घर संस्कारों की पहली पाठशाला है, जबकि रील्स और आभासी दुनिया मानवीय संस्कारों के सामने चुनौती बन रही है। उन्होंने स्वयंसेवकों से पंच परिवर्तन के सिद्धांतों को

आत्मसात कर संस्कारयुक्त समाज सेवा के लिए कार्य करने का आह्वान किया।

भय और प्रलोभन से बढ़ता साइबर खतरा : विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुजावल जग्गा ने साइबर सुरक्षा

की जानकारी देते हुए कहा कि भय और प्रलोभन साइबर असुरक्षा की मूल जड़ हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को व्यक्तिगत डेटा सुरक्षित रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थिति में ओटीपी साझा नहीं करें और अपना सिम कार्ड या बैंक खाता किसी अन्य व्यक्ति को उपलब्ध कराने की गलती न करें। असुरक्षित वेबसाइटों और डिजिटल गिरफ्तारी जैसे साइबर अपराधों से बचने के उपाय भी बताए।

लक्ष्य के प्रति संकल्पित रहें युवा : प्राचार्य सुनील पाठक ने स्वामी विवेकानंद के संदेश का स्मरण करते हुए युवाओं से लक्ष्य

के प्रति संकल्पित रहने और परोपकार की भावना के साथ राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया।

शिविर संचालक एवं एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक डॉ. हरिशंकर सिंह कंसाना के निर्देशन में आयोजित बौद्धिक सत्र का संचालन डॉ. नरेंद्र कुमार वर्मा ने किया। इस अवसर पर डॉ. मनोज अवस्थी, डॉ. संजय कुमार पांडे, हिंदू सिंह धाकड़, प्रो. एच.एल. पटेल, प्रो. विनोद सिंह कुशवाह, डॉ. गिरजा नरवरिया, डॉ. दीक्षा त्यागी एवं डॉ. मुदित मिश्रा उपस्थित रहे। अंत में डॉ. अर्चना सेन ने आभार व्यक्त किया।

शाल-श्रीफल देकर किया सम्मान, पीएफ की राशि बैंक खातों में पहुंचाई नगर निगम से सेवानिवृत्त कर्मचारियों को दी विदाई



ग्वालियर जीएनएस

नगर निगम सेवा से सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों के लिए जलविहार स्थित सभाभवन में विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान सेवानिवृत्त कर्मचारियों को शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही कर्मचारियों के भविष्य निधि (पीएफ) की राशि उनके बैंक खातों में पहुंचाई गई।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों में राजस्व विभाग से सहायक वर्ग-2 श्रीमती अनुपम/अशोक श्रीवास्तव, स्वास्थ्य विभाग से श्रीमती शकुंतला/कैलाश, राजू/जमुनादास तथा विनियमित कर्मचारी महेश/अमृतलाल शामिल रहे। समारोह में निगम सचिव बृजेश श्रीवास्तव, भागचन्द्र कुंदवानी सहित निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

महिला स्कैश टीम को कांस्य पर मुख्यमंत्री ने दी बधाई

भोपाल जीएनएस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एशियन गेम्स-2026 की महिला स्कैश स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय खिलाड़ियों जोशना चिनपा, अनाहत सिंह, तन्वी खन्ना और शमीना रियाज को बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय बेटियों ने अपनी प्रतिभा, टीम भावना और अनुशासन के बल पर शानदार प्रदर्शन कर देश का मान बढ़ाया है। उन्होंने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उनकी उपलब्धि देश के युवाओं और खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायी है।

सेवा-संकल्प अभियान के तहत मेरा युवा भारत केंद्र और पीटीएस तिघरा ने किया श्रमदान तिघरा डैम पर युवाओं ने चलाया स्वच्छता अभियान

ग्वालियर जीएनएस

सेवा-संकल्प अभियान के तहत बुधवार को मेरा युवा भारत केंद्र ग्वालियर ने पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय (पीटीएस) तिघरा के सहयोग से तिघरा डैम के आसपास वृहद स्वच्छता अभियान चलाया। अभियान में युवाओं ने श्रमदान कर कचरा प्रबंधन और प्लास्टिक मुक्त परिसर का संदेश दिया। पुलिस अधीक्षक पीटीएस तिघरा अखिलेश रेनवाल ने कहा कि युवा शक्ति देश में बड़े बदलाव का आधार है। स्वच्छता



अभियान के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के साथ स्वस्थ समाज का निर्माण किया जा सकता है।

कार्यक्रम की व्यवस्थाएं प्रतिसार निरीक्षक गजेंद्र सिंह ने संभाली। जिला युवा अधिकारी

अंजली कुमारी ने कहा कि स्वच्छता को केवल अभियान तक सीमित न रखकर इसे दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन सफल युवा मंडल के अध्यक्ष अरविंद कुशवाह ने किया। उन्होंने प्रतिभागियों को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई। अभियान में नेशनल यूथ वॉलंटियर सहित पीटीएस के युवा साथियों ने उत्साहपूर्वक श्रमदान किया और तिघरा डैम क्षेत्र को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया।

आंगनबाड़ी बच्चों को बांटी सामग्री, कार्यकर्ताओं का किया सम्मान

ग्वालियर जीएनएस

सेवा-संकल्प अभियान के तहत आयोजित आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम में बुधवार को ग्वालियर विधानसभा क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 12 स्थित हजीरा आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों को आवश्यक सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम में भाजपा ग्वालियर महानगर के जिला महामंत्री जवाहर प्रजापति ने बच्चों से मुलाकात कर उनके साथ आत्मीय संवाद किया।

इस अवसर पर आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकर्ताओं का भी



सम्मान किया गया। जवाहर प्रजापति ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और प्रारंभिक शिक्षा के

क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उनका समर्पण स्वस्थ और सशक्त समाज की नींव तैयार करता है।

उन्होंने कहा कि सेवा समाज को जोड़ने का प्रभावी माध्यम है। बच्चों के बीच समय बिताना, उनकी जरूरतों को समझना और उनके विकास में सहयोग करना सभी की सामाजिक जिम्मेदारी है।

कार्यक्रम में मंडल महामंत्री राकेश राजपूत, भाजपा वरिष्ठ नेता मानसिंह राजपूत, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष प्रेमलता तोमर, क्षेत्रीय पार्षद मीरा राजपूत, समर्थ गोयल, भावना शर्मा, निशा तोमर सहित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

निगमायुक्त अभिषेक चौधरी ने सिरोल, हुरावली और मानपुर में किया निरीक्षण

पीएम आवास के काम में तेजी लाएं, 15 दिन में बिजली कनेक्शन

ग्वालियर जीएनएस

नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी ने बुधवार को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सिरोल में बनाए गए आवासों का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए शेष काम जल्द पूरा कर हितग्राहियों को आवास आवंटित करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने आवासों में बिजली कनेक्शन सहित अन्य आवश्यक कार्यों की

जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि 15 दिन के भीतर बिजली कनेक्शन का काम पूरा किया जाए, ताकि हितग्राहियों को आवास उपलब्ध कराने की प्रक्रिया में देरी न हो। उन्होंने आवासों में चल रहे अन्य कार्य भी जल्द पूरे करने के निर्देश दिए।

इसके बाद निगमायुक्त ने हुरावली में प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए आवंटित भूमि का निरीक्षण किया और आगामी कार्रवाई के संबंध में अधिकारियों को

आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने मानपुर में पीएम आवास योजना के फेज-2 के लिए आवंटित भूमि का भी जायजा लिया। निगमायुक्त ने मानपुर पहाड़ी पर 15 हजार पौधों के रोपण के लिए प्रस्तावित भूमि का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों से तैयारियों की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त प्रदीप तोमर, कार्यपालन यंत्री पवन शर्मा और पीएम आवास योजना के नोडल अधिकारी मनीष यादव उपस्थित रहे।

